www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–352 । सागर, मंगलवार 13 फरवरी 2024 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

भाजपा, कांग्रेस, बसपा और निर्दलीय 17 पार्षदों ने छेड़ी सीएमओ हटाओ मुहिम पृष्ठ 3

- विदाई 17वीं लोकसभा की या संसदीय व्यवस्था की
- कठोर कानून बनाने में विधायिका की मंशा को बनाया आधार पृष्ठ 4

- रामलीला में रावण का किरदान निभाने वाले युवक की हृदयघात से मौत पृष्ठ 6

आग तापते समय हाथ से गिरे सुतली बम, विस्फोट से 2 युवक गंभीर घायल पृष्ठ 7

मोहन सरकार ने पेश किया अंतरिम बजट

कर्मचारियों के लिए 4 प्रतिशत महंगाई भत्ते का प्रावधान, पेंशनरों को भी मिलेगा लाभ

- कोई नया कर नहीं, जुलाई में आएगा पूर्ण बजट
- 4 महीने के खर्च के लिए 1 लाख 45 हजार करोड़ का प्रावधान

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा में लगभग दो महीने पुरानी डा मोहन यादव की सरकार ने 1,45, 229 करोड़ रुपये का पहला अंतरिम बजट यानी लेखानुदान प्रस्तुत किया। इस अंतरिम बजट में मोदी की गारंटी और विकसित मध्य प्रदेश की झलक दिखाई दे रही है। इसमें कोई नया कर नहीं लगाया गया, न ही कोई नई योजना लाई गई है। लेकिन सरकार की प्राथमिकताओं वाली सभी योजनाओं कार्यों कर्मचारियों–पेंशनरों के लिए वित्तीय प्रावधान किया।

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने लेखानुदान प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र को अमलीजामा पहनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी की चार जाति गरीब, महिला, किसान और युवा वर्ग के कल्याण के लिए भरसक प्रयत्न किए गए हैं। कर्मचारियों और पेंशनर के लिए चार प्रतिशत डीए और महंगाई राहत का प्रावधान किया गया है। एक अप्रैल से 31 जुलाई तक के लिए महिलाओं की लाड़ली बहना और अन्य योजनाओं के लिए 9438 करोड़ का प्रविधान किया गया है। किसानों को ब्याजरहित ऋण देने और स्थाई विद्युत पंप पर अनुदान देने के लिए कृषक मित्र योजना को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के लिए 9593 करोड़ रुपये किसान कल्याण विभाग को दिए गए हैं। अंतरिम बजट में किए गए प्रावधान के अनुसार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्वादन पर प्रतिलीटर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सड़क, औद्योगिक कारिडोर निर्माण और एक्सप्रेस वे को गति देने के लिए पीडब्ल्यूडी को 4098 करोड़ रुपये दिए गए हैं ताकि ठेकेदारों के लंबित भुगतान पूरा कर नई परियोजनाओं के काम को तेज किया जा सके। स्वस्थ मध्य प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने के लिए एयर एंबूलेंस सेवा आरंभ की जाएगी। युवा वर्ग को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पीएम एक्सीलेंस कालेज का निर्माण सभी जिलों में किया जाएगा। केरल की तरह पर्यटन क्षेत्र से रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने के लिए पांच पर्यटन केंद्रो तक हेलीकाप्टर चलाने की तैयारी मोहन सरकार ने अंतरिम बजट में की है। आदिवासी विकास के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए 23 जिलों में प्रधानमंत्री जनमन योजना को जमीन पर उतारने के लिए अनुसूचित जनजाति कल्याण के बजट में 7500 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है।

प्रस्तुत बजट में गरीब परिवार की महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मिलने वाली प्रसूति सहायता योजना के लिए 2024–25 के अंतरिम बजट (लेखानुदान) में 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। श्रमिकों के बच्चों के लिए आवासीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाई जाएगी। अंतरिम बजट में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को भी सरकार ने समान प्राथमिकता दी है। शहरी विकास के लिए 6143 और गांव के विकास के लिए 6314 करोड़ रुपये चार महीने में खर्च किए जाएंगे।

- सड़क, एक्सप्रेस वे सहित अधोसंरचना विकास को गति मिलेगी
- दुग्ध उत्पादक किसानों को प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि
- कृषक मित्र योजना में किसानों को विद्युत पंप के लिए अनुदान दिया जाएगा
- अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए जनसंख्या के अनुपात में 23 प्रतिशत बजट
- अनुसूचित जाति कल्याण के लिए जनसंख्या के अनुरूप 16 प्रतिशत मिलेगी राशि
- केरल की तर्ज पर पर्यटन स्थलों तक हवाई सुविधाएं विकसित करने के लिए हेली टूरिज्म योजना
- आपातकालीन परिस्थितयों के लिए एयर एंबूलेंस सुविधा उपलब्ध कराएगी सरकार
- सभी 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस कालेज, 1845 शैक्षणिक पद और 387 प्रशासनिक पद भी स्वीकृत
- पीएम जनमन योजना में 23 जिलों विशिष्ट पिछड़ी जनजातियों के लिए बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं, तीन वर्ष में 7550 करोड़ खर्च होंगे

मुख्यमंत्री ने विज्ञान में महिलाओं की सहभागिता के अंतर्राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम को किया संबोधित, कहा–

विज्ञान-तकनीक और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ें

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिवस विज्ञान में महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहित करने और इसे रेखांकित करने को समर्पित है। इस उद्देश्य से यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है और इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मैं स्वयं गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ। विश्व के सभी देशों की दृष्टि से यह दिन महत्वपूर्ण तो है ही परंतु भारत के संदर्भ में इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि हमारी संस्कृति में सदैव मातृ शक्ति को सम्मान दिया गया है। हमारे यहाँ ज्ञान की देवी सरस्वती और धन की देवी लक्ष्मी हैं तथा हम देश को भी भारत माता के स्वरूप में स्वीकार करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महिलाओं की विज्ञान में सहभागिता के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश की प्रथम नागरिक महिला ही हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान हैं। यह लोकतंत्र की सुंदरता है, और इस व्यवस्था से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हम सबके मन में सम्मान बढ़ा है। यह इस बात का भी संकेत है कि हमारे देश में महिलाओं के लिए सभी पदों व संभावनाओं के लिए द्वार खुले हैं, वे आगे बढ़ने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करें, शासन और समाज उनके साथ है। अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मनु श्रीवास्तव ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश में विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और गणित की शिक्षा (स्टेम) में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों, आई.टी.आई., पॉलिटेक्निक और यूएन वूमेन के सहयोग से इस दिशा में विशेष प्रयाए हो रहे हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों द्वारा निर्मित स्मृति चिन्ह मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को महिला पॉलेटिक्नक भोपाल की छात्राओं ने हस्तनिर्मित अंगवस्त्रम भेंट किया, जिसमें छात्राओं ने स्वयं राम मंदिर का चित्र बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कौशल विकास विभाग द्वारा श्रीराम का विशाल चित्र भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, अध्यक्ष कौशल एवं रोजगार निर्माण बोर्ड शैलेन्द्र शर्मा, कंट्री हेड यूएन वूमेन सुश्री सुजेन फरग्यूसन, सीनियर प्रोफेसर आईआईटी श्री देवाशीष मित्रा तथा विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाएं तथा इंजीनियरिंग व तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

प्रधानमंत्री ने 1 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे

हमने पिछली सरकार से डेढ़ गुना ज्यादा नौकरियां दी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले के तहत हाल ही में भर्ती किए गए एक लाख से अधिक कर्मियों को नियुक्ति–पत्र वितरित किए। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने राजधानी दिल्ली में समेकित कर्मयोगी भवन परिसर के पहले चरण का शिलान्यास भी किया. इस परिसर का उद्देश्य मिशन कर्मयोगी की विभिन्न शाखाओं के बीच तालमेल और सहयोग को बढ़ावा देना है। इस दौरान पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि 'आज हर युवा जानता है कि अगर वह कड़ी मेहनत करे तो अपने लिए जगह बना सकता है। साल 2014 से हम युवाओं को भारत सरकार से जोड़ने और उन्हें विकास

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया गया कार्यक्रम

में भागीदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने पिछली सरकार से डेढ़ गुना ज्यादा नौकरियां दी हैं।' उन्होंने आगे कहा कि 'आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट–अप इकोसिस्टम है। इन स्टार्टअप्स के कारण रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।' नवनियुक्त युवा विभिन्न मंत्रालयों व विभागों जैसे राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, रक्षा मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय में विभिन्न पदों पर भर्ती होकर सरकार में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, रोजगार मेला देश में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

कांग्रेस को महाराष्ट्र में झटका

अशोक चव्हाण का पार्टी से इस्तीफा

भाजपा का दामन थाम सकते हैं चव्हाण

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक शंकरराव चव्हाण ने विधायक पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले को सौंप दिया है। वहीं, अब ऐसे लगाए जा रहे हैं कि वो अब बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। बताया जा रहा है कि बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्हें राज्यसभा से टिकट दिया जा सकता है। महाराष्ट्र में जारी तीव्र राजनीतिक गतिविधियों के बीच चव्हाण ने विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से मुलाकात की। इसके बाद वो गायब हो गए। उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में खुद को 'पूर्व विधायक' के रूप में रेखांकित किया है, लेकिन ध्यान देने वाली बात है कि उन्होंने अपने इस्तीफा देने के पीछे की वजह के बारे में किसी भी प्रकार का कोई खुलासा नहीं किया है। वहीं, इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पटोले दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं, जहां वो अशोक चव्हाण द्वारा लिए गए इस औचक फैसले पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संग मंत्रणा कर सकते हैं।

जांच एजेंसियों का रहा दबाव : कांग्रेस

कांग्रेस ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को कहा कि जो लोग ऐसे कदम उठा रहे हैं उन पर जांच एजेंसियों का दबाव है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जो नेता किसी न किसी वजह से खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं कि उनके लिए भारतीय जनता पार्टी की 'वाशिंग मशीन' वैचारिक प्रतिबद्धता के मुकाबले ज्यादा आकर्षक रहेगी।

जयंत ने एनडीए में शामिल होने का किया ऐलान

मैंने सभी विधायकों से बात कर ली है

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष जयंत चौधरी ने एनडीए में शामिल होने का एलान किया है। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने एनडीए में जाने के सवाल पर अपना रुख साफ कर दिया है। जयंत चौधरी ने कहा कि मैंने अपने सारे विधायकों से बात कर ली है। हमें अल्प समय में फैसला लेना पड़ा, परिस्थितियां ऐसी थीं कि एनडीए के साथ जाने का फैसला लिया, वहीं जयंत चौधरी ने कहा कि हमारे सभी विधायक और कार्यकर्ता हमारे साथ हैं। हाल ही मोदी ■ शेष पृष्ठ 5 पर

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

कतर में फांसी की सजा पाए 8 भारतीय रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी। कतर ने जेल में बंद उन आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को रिहा कर दिया है, जिन्हें करीब साढ़े तीन महीने पहले संदिग्ध जासूसी के एक मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी. यह भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत है. विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि रिहा किए गए आठ भारतीयों में से सात भारत लौट आए हैं और देश अपने नागरिकों की रिहाई तथा उनकी घर वापसी को संभव बनाने के लिए कतर के अमीर के फैसले की सराहना करता है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार कतर में हिरासत में लिए गए दहरा ग्लोबल कंपनी के लिए काम करने वाले आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई का स्वागत करती है. रिहा किए गए आठ भारतीयों में से सात भारत लौट आए हैं. हम इन नागरिकों की रिहाई और घर वापसी को संभव बनाने के लिए कतर के अमीर के फैसले की सराहना करते हैं। सेना के पूर्व कर्मियों को 26 अक्टूबर को कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी. खाड़ी देश की अपीलीय अदालत ने 28 दिसंबर को मृत्युदंड को कम कर दिया था और पूर्व नौसैन्य कर्मियों को अलग–अलग अवधि के लिए जेल की सजा सुनाई थी. निजी कंपनी अल दहरा के साथ काम करने वाले भारतीय नागरिकों को जासूसी के एक कथित मामले में अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने दुबई में शिखर सम्मेलन के मौके पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल–थानी से मुलाकात की थी और द्विपक्षीय साझेदारी और कतर में रहने वाले भारतीय समुदाय की भलाई पर चर्चा की थी. पीएम मोदी 1 दिसंबर 2023 को शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे थे. सेना के आठ पूर्व कर्मियों को जासूसी के आरोप में अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था और कतर की एक अदालत ने अक्टूबर में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी. ये सभी भारतीय नागरिक दहारा ग्लोबल कंपनी के लिए काम कर रहे थे. हालांकि, उन पर लगे आरोपों को कतर के अधिकारियों ने सार्वजनिक नहीं किया था। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा था कि, इससे पहले कतर की अदालत ने मामले में आठ पूर्व कर्मियों की मौत की सजा को कम कर दिया था और उन्हें अलग–अलग अवधि के लिए जेल की सजा में तबदील कर दिया था. फैसले के बारे में बताते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा था, हमने दहरा ग्लोबल मामले में कतर की अपील अदालत के आज के फैसले पर गौर किया है, जिसमें सजाएं ■ शेष पृष्ठ 5 पर

न्याय यात्रा के लिए चंदा देने में आंध्र प्रदेश सबसे आगे

सौ करोड़ से अधिक का दान दिया

अमरावती, एजेंसी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए चंदा देने के मामले में आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर है। आंध्र प्रदेश ने पूर्व–पश्चिम यात्रा के लिए अब तक 1.02 करोड़ रुपए से अधिक का दान दिया है। कांग्रेस सांसद और तेलंगाना के पार्टी प्रभारी मनिकम टैगोर ने सोमवार को सबसे अधिक सार्वजनिक दान वाले पांच राज्यों की सूची साझा की।

हरियाणा, महाराष्ट्र व कर्नाटक तीसरे, चौथे व पांचवें स्थान पर

आंध्र प्रदेश से दान 1,02,32,907 रुपए है। 86,42,697 रुपए के दान के साथ राजस्थान दूसरे स्थान पर है। हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक क्रमश: तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर है। उन्होंने कहा, 'राजनीति में पारदर्शिता को बढ़ावा देने, आंध्र प्रदेश में मजबूत समर्थन हासिल करने के लिए राहुल गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व को धन्यवाद। इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए एपीसीसी अध्यक्ष वाई.एस, शर्मिला रेड्डी की सराहना।' आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष शर्मिला ने आंध्र प्रदेश की जनता को धन्यवाद दिया।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मैं तहे दिल से आंध्र प्रदेश के लोगों को धन्यवाद देती हूं जो न्याय में योगदान देने में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान पर रहे। यह इस सच्चाई का ज्वलंत प्रमाण है कि राज्य कांग्रेस पर भरोसा करता है और पार्टी को आशा की किरण के रूप में देखता है। यह सिर्फ शुरुआत है और हम प्रतिबद्धता के साथ राज्य के हित के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।' शर्मिला को पिछले महीने कांग्रेस नेतृत्व ने ■ शेष पृष्ठ 5 पर

फ्लोर टेस्ट में नहीं हुआ कोई 'खेला'

नीतीश सरकार ने हासिल किया विश्वास

• मुकुंद कुमार सिंह

पटना, देशबन्धु। पिछले कई दिनों से बिहार में चल रहे राजनीतिक हाई वोल्टेज ड्रामे का सोमवार को अंत हो गया। बहुमत साबित करने में एनडीए सफल रहा तो आरजेडी के तीन विधायक एनडीए के समर्थन में वोटिंग किए। वहीं एनडीए के चार विधायक सदन से गायब रहे।

हालांकि गायब विधायक को लेकर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कार्रवाई की बात कही है। अब एक बार फिर बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी नयी सरकार ने विश्वास मत हासिल कर सरकार बना लिया है। सदन में हुई वोटिंग में नीतीश कुमार के पक्ष में 129 मत पड़े। वोटिंग के दौरान विपक्ष ने सदन से वॉक आउट कर दिया। लेकिन वोटिंग से पहले अपने भाषण में नीतीश कुमार ने राजद और इंडिया गठबंधन को लेकर कई राज खोले। नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने

- नीतीश बोले- मजबूरी में छोड़ा इंडिया गठबंधन, कांग्रेस को मुझसे तकलीफ
- नीतीश कुमार के समर्थन में 129 मत पड़े
- मतदान के समय विपक्ष ने किया वॉक आउट
- आरजेडी के 3 विधायकों ने भी किया समर्थन

जब राजद के साथ सरकार बनाई थी तो तेजस्वी और उनकी पार्टी के लोगों की इज्जत करते थे। लेकिन बाद में पता चला कि वे लोग सरकार में रहकर कमाई कर रहे थे। नीतीश कुमार ने कहा कि आज तक मेरी सरकार में ऐसा कभी नहीं हुआ। राजद ने सरकार में बहुत गलत काम किया। बिहार विधानसभा में विश्वासमत प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू–राबड़ी शासनकाल की याद दिलाते हुए विपक्ष को जमकर लताड़ा। 2005 से पहले बिहार के हालात की चर्चा करते हुए उन्होंने इसके लिए लालू–राबड़ी की तत्कालीन सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेवार बताया। नीतीश कुमार ने कहा कि उन्हें इंडिया गठबंधन मजबूरी में छोड़ना पड़ा। कांग्रेस मेरी बात मान रही थी। बाद में पता चला कि कांग्रेस को मुझसे तकलीफ है। ये भी पता चला कि तेजस्वी यादव के पिता लालू प्रसाद यादव भी कांग्रेस के साथ हैं। तब मैंने ये फैसला लिया कि मैं पुरानी जगह पर लौट जाऊं। इसलिए मैं वापस वहां चला आया। अब हम पुरानी जगह पर आ गए हैं तो सब दिन के लिए आ गए हैं। हम किसी का नुकसान नहीं करेंगे। सबके हित में काम करेंगे। लोगों के विकास के लिए, बिहार के हित में काम करते रहेंगे। ■ शेष पृष्ठ 5 पर

क्या मोदी जी गारंटी लेंगे कि नीतीश फिर नहीं पलटेंगे

तेजस्वी यादव ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमारे लिए हमेशा से आदरणीय थे। हम तो आपका साथ देने के लिए आए थे। नीतीश कुमार कहा था कि सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ एकजुट हुए थे। क्या आपको अपनी कही गई बात याद है या नहीं? झूठ मत बोलिएगा कि आप यह कहें थे की नहीं टीचरों को पैसा देने और बहाली के लिए अपने बाप के पास से पैसा लाएगा अब अपाने देख लिया न कहां से हुआ? इसके आगे तेजस्वी ने कहा कि– वो राजभवन से निकले तो कहे कि हमारे साथ मन नहीं लग रहा था तो उनको समझना चाहिए कि हम नीतीश जी का मन लगाने के लिए साथ नहीं आए थे। हम काम करने के लिए साथ आए थे। जो असंभव था, उसे हमने संभव किया। मुझे कहते थे अपने बाप के पास से नौकरी लाएगा। हमने कर के दिखाया। मुझे विपक्ष में आने की खुशी है। 17 महीने में देश में जो किसी सरकार ने नहीं किया, वो हमने कर के दिखाया। सदन में तेजस्वी यादव ने कहा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी गारंटी लेंगे कि नीतीश कुमार फिर नहीं पलटेंगे। तेजस्वी ने कहा कि हम नाचने–गाने और मन लगाने के लिए नहीं आए हैं। अब कोई बच्चा भी नीतीश कुमार पर भरोसा नहीं करेगा। बीजेपी किसी का सम्मान नहीं बल्कि डीलिंग करती है। इसके आगे तेजस्वी यादव ने कहा कि – लालू जी का बेटा हूं, डरुंगा नहीं। 17 महीने में रिकॉर्ड नौकरी दी। सुस्त मुख्यमंत्री को दौड़ना सिखाया। हमने 17 महीने में काम करके दिखाया है।

मौसम की खराबी से क्षेत्र में फसले तबाह, कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपा, सर्वे और राहत की मांग

पूर्व मंत्री की अगुवाई में राज्यपाल के नाम एसडीएम को 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

देवरीकलां, देशबन्धु। मौसम की खराबी के कारण कीट एवं व्याधि प्रकोप के चलते क्षेत्र में रवि सीजन की फसलों सहित मसाला एवं उद्यानिकी फसलें तबाह होने की कगार पर है। मामले में प्रभावित कृषको के खेतों के सर्वे एवं राहत राशि की मांग को लेकर कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपा एवं शीघ्र कार्यवाही की मांग की गई। ज्ञापन में क्षेत्र में बढ़ते अपराध, देवरी नगर में हो रही चोरियों एवं अवैध शराब सहित नशीले पदार्थो के विक्रय पर रोक लगाने की मांग की गई। पूर्व मंत्री हर्ष यादव की अगुवाई में एसडीएम देवरी को सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इस वर्ष मौसम की खराबी एवं कीटो के प्रकोप के कारण रवि सीजन की फसलें जैसे मसूर, चना, मटर, अरहर, अलसी सहित उद्यानिकी फसल जैसे लहसुन, प्याज, टमाटर, मिर्ची, मैथी सहित अन्य फसलों में लालिया रोग के कारण बेहद नुकसान है, जिससे उक्त सभी फसलों की पैदावार में गिरावट दिखाई दे रही है। इस वर्ष मौसम के दुष्प्रभाव के कारण क्षेत्र की प्रमुख मसाला फसलों लहसुन एवं व्याज की फसलों में ब्लाइट्स, काली मस्सी, परपल ब्लाज एवं निमेटोड का संक्रमण है, जिससे पौधे सूख चुके है, वर्तमान में सभी फसलें रोगग्रस्त है एवं कंद छोटे होने से उत्पादन गंभीर रुप से प्रभावित होने की संभावना है। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे क्षेत्र के कृषकों की फसलों का सर्वे कराया जाये। ज्ञापन में मांग की गई कि प्रभावित कृषको प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत कृषकों को क्षतिपूर्ति बीमा राशि उपलब्ध कराई जाये। ज्ञापन में परीक्षाओं की तैयारी में जुटे बच्चों की पढ़ाई को ध्यान में रखकर अघोषित विद्युत कटोती बंद किये जाने एवं देवरी नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि स्कूल एवं कोचिंग के दौरान रास्तें में लडकियों से अभ्रदता व्यवहार की घटनायें सामने आई है जिन्हे तत्काल संज्ञान में लिया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में कहा गया कि सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा अपने चुनावी संकल्प पत्र में लाडली बहनों को लखपति बनाने प्रतिमाह 3 हजार रूपये दिये जाने एवं प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये जाने की गारंटी दी थी सरकार मोदी और शिवराज की गारंटी पूरी करे। संकल्प में गेहूं का 27 सौ रूपये प्रति क्विंटल एवं धान का 3 हजार रूपये प्रति क्विंटल का वादा पूरा किया जाये। ज्ञापन में कहा कि क्षेत्र में शराब तस्करों, भूमि माफिया एवं सट्टा माफिया को संरक्षण दिये जाने के कारण उनकी बढ़ती गतिविधियों से क्षेत्र का वातावरण दूषित हो रहा है। क्षेत्र में गांव गांव शराब अन्य ब्राउन शुगर जैसे पदार्थ का विक्रय किया जा रहा है। शांति का टापू कहें जाने वाले देवरी विधानसभा क्षेत्र में उक्त सभी अवैध करोबार से लोग अपने आपकों असुरक्षित महसूस कर रहे है और अपराधियों को पुलिस का संरक्षण मिलने से हौसले बुलन्द होते जा रहे है, जिस पर तुरंत कार्यावाही की जाये। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा उपरोक्त मांगो का शीघ्र निराकरण न किये जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। कार्यक्रम में इस अवसर पर आंचल आठया, आशीष बाबा राजौरिया, गौरव पाण्डे, कैलाश टिकरया, रामस्वरुप यादव, ब्रजेश धनन्तर, मंजू हर्रया, राकेश चैरसिया, त्रिवेन्द्र जाट सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता एवं कृषक शामिल हुए।

फ्यूजन फैमिली रेस्टोरेंट का किया औचक निरीक्षण

दमोह, देशबन्धु। डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने हटा नगर के चंडी जी वार्ड स्थित फ्यूजन फैमिली रेस्टोरेंट प्रो. आदित्य अग्रवाल का औचक निरीक्षण किया। उक्त रेस्टोरेंट से डोसा में कॉकरोच निकलने की शिकायत प्राप्त हुई थी। उक्त रेस्टोरेंट से मौके पर तैयार सांभर एवं डोसा बैटर के नमूने जांच हेतु लिये गए, जिनको गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। रेस्टोरेंट के किचिन की जांच में बर्तनों के धोने के स्थान, भोजन निर्माण के स्थान, भंडारण, फ्रिज एवं डीप फ्रीजर में साफ सफाई का अभाव देखा। मौके पर रेस्टोरेंट संचालक को किचिन में साफ सफाई व्यवस्था को ठीक करने के निर्देश दिए। मैजिक बॉक्स की सहायता से रेस्टोरेंट में संग्रहित पनीर, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, आटा, मैदा, बेसन, सांभर मसाला, ग्रेवी, फूड कलर आदि की जांच की गई। मौके पर रेस्टोरेंट संचालक के पास पेस्ट कंट्रोल प्रबंधन सर्टिफिकेट एवं कार्यरत कर्मचारियों के एनुअल मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं पाये गये। कार्यरत कर्मचारियों को एप्रन, हेड कवर का इस्तेमाल करते हुए नहीं पाया गया। रेस्टोरेंट संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया है।

वाल्मीकि समाज ने किया विधायक का सम्मान

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन द्वारा राजकीय विश्वविद्यालय रानी अवंती बाई लोधी की स्वीकृति एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय मप्र विधानसभा में स्वीकृत करने के उपलक्ष में सागर वाल्मीकि समाज के प्रमुख जनों ने किया सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुलदीप वाल्मिकी, अमित कछवाहा, भोला प्रसाद करोसिया, सुदेश सनकत, गजेंद्र बोहत, रज्जन करोसिया, विजय सनकत आदि उपस्थित थे।

फर्जी रूप से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वालों पर होगी पुलिस कार्यवाही: कलेक्टर

जिला अंर्तविभागीय समन्वय समिति, जन्म-मृत्यु पंजीयन की समीक्षा बैठक संपन्न

सागर, देशबन्धु। जन्म-मृत्यु, विवाह का शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए एवं फर्जी रूप से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वालों पर पुलिस कार्यवाही की जाएगी। उक्त निर्देश कलेक्टर दीपक आर्य ने जिला अंर्तविभागीय समन्वय समिति जन्म-मृत्यु पंजीयन की समीक्षा बैठक में दिए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि जन्म-मृत्यु एवं विवाह के शत-प्रतिशत पंजीयन किये जाये और यदि किसी भी नगर पालिका, ग्राम पंचायत, लोक सेवा केंद्र, क्योस्क सेंटर पर किसी भी स्थिति में फर्जी प्रमाण पत्र बनते हैं तो इन पर तत्काल पुलिस कार्यवाही सुनिश्चित की जावे। जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण संशोधन अधिनियम 2023 के तहत जो भी आवश्यक कार्यवाही है वह सभी संबंधित सात दिवस में करें। उन्होंने निर्देशित किया कि लोक सेवा केंद्र पर प्राप्त जन्म मृत्यु, विवाह आवेदन पत्रों की समीक्षा प्रत्येक सप्ताह की जावे। जिले के विभिन्न चिकित्सालय में होने वाली मृत्यु के प्रमाण पत्र, मृत्यु के फार्म, फॉर्म 4 में भेजें। महिला बाल विकास की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के माध्यम से जन्म दर का पंजीयन कराये। समीक्षा बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि वर्ष 2023 में जन्म पंजीयन 86.60 प्रतिशत था, जबकि मृत्यु पंजीयन स्तर 87.85 प्रतिशत था जो की सत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाये।

राष्ट्रीय खेल नौकायन प्रतियोगिता में माही रावत ने जीता कांस्य पदक

शाहगढ़, देशबन्धु। भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में मप्र की ओर से खेल प्रतियोगिता में शामिल हुई शाहगढ़ की माही रावत ने कांस्य पदक जीतकर देश मे शाहगढ़ का गौरव बढ़ाया है। मां दुर्गाशक्ति व्यायाम शाला की खिलाड़ी माही रावत ने पूर्व में भी कई खेलो में जीत हासिल कर जिला एवं प्रदेश में नाम रोशन किया है। नेशनल खेलो में पांच मीटर की नौकायन दौड़ में माही रावत ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता है। शाहगढ़ के अभिनव स्कूल दसवीं कक्षा की छात्रा कु. माही रावत बचपन से ही खेलों में होनहार रही है जिससे उनके माता पिता एवं शिक्षकों ने उसे आगे बढ़ने में मदद की और वह आज नेशनल खेलो में शामिल होकर कांस्य पदक जीतकर शाहगढ़ सहित अपने परिवार का नाम रोशन कर शासन की बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना को चरितार्थ कर रही है। माही ने बताया कि मुझे आगे बढ़ाने में सबसे पहले मम्मी पापा एवं मेरे सर मोहित भल्ला ने मुझे सहयोग दिया है। वही छात्रा माही की रुचि को देखते हुए जिला खेल अधिकारी प्रदीप अविन्द्रा सहित अन्य लोगो के सहयोग से राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला है।

फांसी के फंदे पर लटका मिला युवक का शव

खुरई, देशबन्धु। सब्दा गांव में रविवार रात एक 29 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक समूह में कोआर्डिनेटर का काम करता था और दो दिन पहले ही अपने गांव आया था। जानकारी के अनुसार खुरई देहात थाना क्षेत्र के सब्दा गांव में रविवार रात को छतर सिंह पिता राम प्रसाद अहिरवार 29 ने अपने घर में कमरा बंद करके फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक के चाचा मर्दन सिंह अहिरवार ने बताया कि शनिवार को उसका भतीजा छतर सिंह अपने गांव आया था। वह समूह में कोआर्डिनेटर का काम करता था और खरगापुर में पदस्थ था। रविवार रात छतर सिंह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कमरे में सो रहा था। इस दौरान वह दूसरे कमरे में पहुंच गया और उसने फांसी लगा ली। जब सोमवार सुबह कमरे की कुंडी अंदर से लगी मिलने पर बहुत आवाज दीए लेकिन किसी ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद जब दरवाजा तोड़ा गया तो भतीजा फांसी पर लटका मिला। चाचा मर्दन सिंह अहिरवार ने बताया कि भतीजे को किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। रविवार की रात को उसने परिजनों से कहा था कि उसे सुबह जल्दी उठा देना, उसे ड्यूटी पर खरगापुर जाना है। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने सोमवार सुबह मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमॉर्टम के लिए खुरई भेजा। पीएम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दान राशि से खरीदी गई जमीन पर नहीं बन पाया पार्किंग स्थल

सागर, देशबन्धु। शहर के भगवानगंज स्थित गुरुद्वारा के सामने ट्राफिक जाम लगने से वाहन चालकों सहित गुरुद्वारा आने वाले भक्तों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को हल करने के लिए सिख समुदाय से जुड़े लोगों ने अपनी श्रद्धा अनुसार दान देकर करोड़ों रुपये की जमीन की रजिस्ट्री कराई थी और इस जगह का उपयोग गुरुद्वारा की पार्किंग के लिए किया जाना था। लेकिन 2 साल बाद भी अब तक पार्किंग स्थल नहीं बन पाया है जिससे दानदाताओं के मन में निराशा के भाव जाग रहे हैं। समाजसेवी मनीसिंह गुरोन ने बताया कि वरिष्ठ चिकित्सक गुरनाम सिंह द्वारा गुरुद्वारे की पार्किंग के लिए लाखों रुपए की दान राशि गुरुद्वारा कमेटी को गुरु नानक जयंती के शुभ अवसर पर सौंपी थी लेकिन उस धन राशि की सार्थकता अब तक साबित नहीं हुई है। सिख समुदाय सेवाभाव के लिए जाना जाता है। सभी के सहयोग खरीदी गई यह जमीन इस बात का उदाहरण है। ज्ञात हो कि अकेले सागर में नहीं बल्कि पंजाब और दिल्ली में भी डॉ. गुरनाम सिंह द्वारा सिख धर्म के स्थलों पर लाखों रुपए की दान राशि भेंट की जा चुकी है। डॉ गुरनाम सिंह की इसी परंपरा को अब उनके पुत्र मनी सिंह गुरोंन निभा रहे हैं। मनी सिंह गुरोंन सतनाम वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से सैकड़ो जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। मनी सिंह गुरोंन ने अभी हाल ही में अयोध्या में रामलला के विराजित होने की खुशी में भंडारे का आयोजन भी किया था। गुरोंन परिवार हाल ही में गुरुद्वारा कमेटी के चुनाव में भी अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर चुका है। वहीं गुरुद्वारा में पार्किंग एवं सौन्दर्यकरण के दान की गई राशि का निजी उपयोग में खर्च करने की भी चर्चाये हैं। वहीं इस संबंध में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष का कहना है कि पार्किंग निर्माण के लिए प्रस्ताव प्लान स्वीकृति के लिए भेजा गया है स्वीकृति मिलने में विलंब होने से कार्य नही हो पाया है।

बीएमओ को दी श्रद्धांजलि, शोकसभा में डॉ. असाटी के सेवा कार्य ने भावुक किया सभी को

शाहगढ़, देशबन्धु। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगढ़ के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अमित आनंद असाटी का हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया, जिनका अंतिम संस्कार शनिवार को उनके गृह नगर बड़ामलहरा में किया गया था। स्व. डॉ. असाटी ने शाहगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगातार 15 वर्षों तक अपनी सेवाएं दी है एवं शाहगढ़ सहित क्षेत्र भर में अपने सरल एवं सहज स्वभाव की अमिट छाप छोड़ी है। डॉ. असाटी के आकस्मिक निधन से शाहगढ़ स्वास्थ्य विभाग सहित क्षेत्र भर में शोक का माहौल रहा है उनके निधन पर सोमवार को शाहगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें उनके स्टाफ सहित नगर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकार एवं आमजन शामिल हुये सभी ने स्व. डॉ. अमित आनंद असाटी के चित्र पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये एवं शाहगढ़ में उनकी अमिट सेवाओं पर विचार व्यक्त किये।

30 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम शिविर का हुआ शुभारंभ

बीना, देशबन्धु। शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत उन्नति फाउंडेशन, बेंगलुरु के तत्वावधान में स्पोकन इंग्लिश एवं व्यक्तित्व विकास हेतु 30 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा कौशल विकास के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारें। विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की नियमित तैयारी करें तथा रोजगार व स्वरोजगार के लिए अपने आप को तैयार करें। उन्नति फाउंडेशन की ओर से प्रशिक्षक कपिल शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत स्पोकन इंग्लिश, व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं, कम्युनिकेशन स्किल, सॉफ्ट स्किल एवं इंटरव्यू स्किल की बारीकियां से अवगत कराया। प्रशिक्षक नितिन तिवारी ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण की महत्ता से अवगत कराया। स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के प्रभारी डॉ. एमएल सोनी ने कहा कि विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूर्ण समर्पण के साथ करें। आभार समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष राजेश माहोर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. नमीता अग्निहोत्री, प्रो. आरएस तिवारी, मोहम्मद रफीक शेख, गौरव नैलवाल, एसके पंथी, जितेंद्र खांडेराव, अमित नेमा, संतोष सोनी सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सागर, देशबन्धु। दिल्ली में किसानों ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का बिगुल बजा दिया है। जिसके तहत मप्र समेत पूरे देश से किसान पहुंचने वाले हैं। किसान आंदोलन के चलते सोमवार को सागर जिले में किसान नेताओं को नजरबंद किया गया। वहीं कुछ किसानों की गिरफ्तारी की गई। हालांकि शाम होते ही उन्हें छोड़ दिया गया। इसी दौरान संयुक्त किसान मोर्चा सागर ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 13 फरवरी को किसानों द्वारा दिल्ली कूच को लेकर देशभर में शासन प्रशासन द्वारा किसान संगठन से जुड़े नेता और पदाधिकारियों की गिरफ्तारियां की जा रही हैं। सागर जिले में किसानों को नजर बंद किया गया है। संयुक्त किसान मोर्चा एवं किसान संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष अभिनय श्रीवास ने बताया कि यह गिरफ्तारी और नजरबंद पूरे देश में किया जा रहा है। देशभर के किसान दिल्ली जा रहे हैं। उन्हें मार्गों पर रोका जा रहा है। किसान संगठन और ट्रैक्टरों को 10 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं दिया जा रहा है। साथ ही ट्रेन में जा रहे किसानों को भी उतारा जा रहा है। पूर्व में हुये किसान आंदोलन से सरकार भयभीत होकर यह कदम उठा रही है। जबकि किसान और किसान संगठन के लोग पहले ही कह चुके हैं कि हमारा आंदोलन शांतिपूर्वक है, अहिंसा के मार्ग पर रहेगा। लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाने का सबको अधिकार है। गिरफ्तारियों को लेकर पुलिस और प्रशासन की निगरानी में संयुक्त किसान मोर्चा सागर ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि अभिनय श्रीवास, किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन के संदीप ठाकुर, किसान नेता सीताराम ठाकुर की गिरफ्तारी की गई। हालांकि शाम होते ही उन्हें रिहा किया गया है। जिले के किसान संगठनों ने 16 तारीख को ग्रामीण पूर्णता बंद का आह्वान किया है।

गांजा तस्करी करने वाले आरोपी को सजा

सागर, देशबन्धु। बाइक से गांजे की तस्करी करने वाले आरोपी दयाल साहू को अदालत ने सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश अब्दुल्लाह अहमद की कोर्ट ने प्रकरण में सुनवाई करते हुए आरोपी दयाल साहू को दोषी पाया और छह माह के कठोर कारावास और पांच हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। मामले की पैरवी विशेष लोक अभियोजक संजय कुमार पटेल ने की। अभियोजन के मीडिया प्रभारी के अनुसार 26 दिसंबर 2020 की रात बांदरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बाइक पर बांदरी से रजवांस की तरफ गांजा लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम कार्यवाही के लिए रवाना हुई। टीम ने सौरभ ढाबा के पास पहुंचकर वाहनों की चेकिंग लगाई। इसी दौरान एक बाइक आते हुए दिखी। जिसे घेराबंदी कर पुलिस ने पकड़ा। बाइक चालक ने पूछताछ में अपना नाम दयाल साहू निवासी चंद्रापुर होना बताया। पुलिस ने बाइक पर बंधा थैला खोला तो उसमें से गांजा बरामद हुआ। कार्यवाही में पुलिस ने 1 किलो 250 ग्राम गांजा जब्त कर आरोपी दयाल को गिरफ्तार किया। थाने लाकर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। जांच पूरी होने पर चालान कोर्ट में पेश किया। न्यायालय ने प्रकरण में सुनवाई शुरू की। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने मामले से जुड़े साक्ष्य व दस्तावेज कोर्ट में पेश किए। न्यायालय ने मामले में सुनवाई करते हुए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दयाल को दोषी पाया और सजा सुनाई है।

जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक संपन्न

बैठक में जनपद सदस्य ने कहा एक साल में दस सचिव बदल गये

बीना, देशबन्धु। जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में सोमवार को सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 20 में से 19 जनपद सदस्य मौजूद थे। नवागत सीईओ राजेश पटेरिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष उषा राय, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अमर प्रताप सिंह की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2024-25 में जनपद क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों की कार्य योजना बनाई गई। पीएचई के कार्यों को लेकर समीक्षा की गई जिसमें बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों के करीब 35 हेडपंप बंद है। जिसमें सभी सदस्यों ने पीएचई और जल निगम को निर्देश देते हुए कहा गया कि ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल की समस्या को समय पर पूर्ण करें। साथ ही कार्य पूर्ण कर संतुष्ट प्रमाण पत्र पंचायत से ही प्राप्त करें। महादेवखेड़ी की पुलिया का कार्य करीब छह माह से अधूरा पड़ा हुआ है। इस पुलिया के नहीं बनने से गांव से खेत जाने वाले किसान काफी परेशान हो रहे हैं। इस मामले में लापरवाही बरतने पर सहायक उपयंत्री को नोटिस जारी किया गया है। पुलिया के कार्य को जल्दी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। पशु चिकित्सा को लेकर समीक्षा की गई। जिसमें लेखा-व्यय, यात्रा वितरण आदि की जानकारी ली गई। पशु चिकित्सा को लेकर अगले सप्ताह अलग से बैठक आयोजित की जाएगी। जनपद के दो कर्मचारियों की परीक्षा अवधि समाप्त कराई गई। जनपद के तीन आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन देने का प्रस्ताव पारित हुआ। गांव-गांव में फैले झोलाछाप डॉक्टरों के संबंध में बीएमओ के उपस्थित नहीं होने पर चर्चा नहीं हो सकी। बीएमओ के बैठक में उपस्थित नहीं होने पर सदस्यों ने नाराजगी जताई और कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया। बीना ब्लॉक में अटल भू.जल योजना का प्रस्ताव पारित किया गया, जो अब जिला पंचायत कार्यालय भेजा जायेगा। 15 वां वित्त अंतर्गत कंप्यूटर ऑपरेटर की मांग रखी गई, जिसका प्रस्ताव पारित किया गया। जनपद सदस्य बिहारी लाल अहिरवार ने पड़रिया और गोहर क्षेत्र की राशन दुकान में अनियमितताओं की जांच कराने की मांग रखी, जिसमें सर्वसम्मति से फूड इंस्पेक्टर से जांच कर उसका प्रतिवेदन लिया जाएगा। समय अवधि के अभाव में पंचायत के संपत्ति कर को लेकर चर्चा नहीं हो सकी। जो अब आगे की बैठक में की जाएगी। बैठक में अगले सप्ताह से सभी विभागों की अलग-अलग से समीक्षा किए जाने का निर्णय भी लिया गया है। इसके अलावा बैठक में आरटीओ कैंप लगाने की भी चर्चा की गई। जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक एजेंडे के मुताबिक 9 बिंदुओं पर चर्चा हो रही थी वहीं सदस्यों की बात सुनने के बाद कुछ बिंदु जोड़े जा रहे थे। तभी पार गांव के जनपद सदस्य शिवकुमार चढ़ार ने सवाल किया कि गांव में एक साल में 10 ग्राम पंचायत सचिव बदले जा चुके हैं इसका क्या कारण है। कहते कहते उन्होंने अपना आपा खो दिया और चिल्लाते हुए कहा कि है कोई यहां सुनने वाला या नहीं। इस पर हर कोई अवाक रह गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश पटेरिया ने उन्हें शांति से अपनी बात रखने को कहा इसके बाद तीखी बहस देखने को मिली। जनपद सदस्य के सवालों को नोट किया गया। इसके अलावा पार जनपद सदस्य शिवकुमार चढ़ार ने सरपंच पर आरोप लगाते हुए कहा कि ग्राम पंचायत के पुराने भवन को सरपंच ने गिरा दिया और पूरा मटेरियल बेच दिया। इस संबंध में पार ग्राम पंचायत की सरपंच बबीता सिंह ठाकुर ने कहा पूरा मटेरियल सुरक्षित रखा गया है। जब भी नया भवन बनेगा उसमे वह काम आ जाएगा। महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार ने पंचायतों में आधी सीट पर महिलाओं को आरक्षण दिया है लेकिन महिला जनप्रतिनिधियों की जगह उनके पति, बेटे या पुरुष पंचायत संबंधी कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही सोमवार को जनपद पंचायत की सभाकक्ष में हुई बैठक में देखने को मिला। जहां 20 जनपद सदस्यों में से 10 महिला महिला सदस्य भी शामिल हुई थीं। बैठक में अधिकांश महिलाये घूंघट में दिखाई दीं। सभी महिलाओं के पति भी बैठक में मौजूद रहे।

गांव चलो बूथ चलो अभियान के तहत बैठक हुई

मालथौन, देशबन्धु। पूर्व मंत्री व विधायक भूपेन्द्र सिंह ठाकुर के निर्देशानुसार ग्राम बूथ चलो अभियान के तहत अटाकर्नेलगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। भाजपा मंडल के ग्राम अटाकर्नेलगढ़ में मंडल प्रभारी सिरनाम सिंह तोमर ने चबूतरे पर कार्यकर्ताओं की बूथ विजय अभियान सम्बंध में बैठक ली। जिसमें ग्राम के समस्त कार्यकर्ता शामिल हुए। मंडल प्रभारी सिरनाम सिंह तोमर ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए भाजपा की नीति और रीति के साथ केंद्र व प्रदेश सरकार की आम जन के हित मे चलाई जा रही योजनाओं की बारे में बताया कि अपने बूथ के हर घर प्रत्येक मतदाता तक सरकार की योजनाये बताये। अपने बूथ को मजबूती के साथ विजय दिलाना है। इस मौके पर गोविंद सिंह नेगुवा, गोलु राय सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार समाचार

अस्पताल प्रबंधन पर लगाये मनमानी के आरोपी, ज्ञापन देकर की जांच की मांग

बकस्वाहा, देशबन्धु। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी बीएमओ पर लोगों से अभद्रता करने का आरोप लगाकर भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल सोनी नीलू सहित कई लोगां ने तहसीलदार और थाना प्रभारी को ज्ञापन देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। मंडल अध्यक्ष अनिल सोनी ने अस्पताल की बदहाली और अव्यवस्था का हवाला देते हुये बताया कि 9 फरवरी की रात लगभग 10 बजे मंगरई ग्राम की सोनम पत्नी चंदन ठाकुर उम्र 35 वर्ष को जहर खा लेने के बाद परिजन उसे गंभीर हालत में बकस्वाहा अस्पताल लेकर आये। चंदन ठाकुर ने बताया जब वह स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ डॉ रविराज के पास पहुंचा तो वे शराब के नशे में सोनम का लापरवाही से इलाज करने लगे। बोतल लगाते ही सोनम की हालत बिगडने लगी। इसे अनदेखा करते हुये डा रविराज मरीज को अकेला छोड़कर अपने कमरे मे चले गए। हालत और बिगड़ने लगी तो चंदन सिह ने मंडल अध्यक्ष अनिल सोनी, अनु जाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष हरिराम अहिरवार, युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपेन्द्र सिह परमार व पूर्व शिक्षक देवी सिंह सहित अन्य सहयोगियो को मोबाइल पर सूचना देकर बुलाया। डॉ रविराज को फोन लगाया तो वे बहुत देर बाद आये और बोले मैं चौबीस घंटे ड्यूटी नहीं करुंगा और वहां मौजूद लोगों से अभद्रता करने लगे। तब हरिराम अहिरवार ने कलेक्टर को फोन पर इसकी सूचना दीं। कलेक्टर के आदेश पर तहसीलदार व नगर निरिक्षक ने मौके पर पहुचकर सोनम का इलाज कराया। इस मामले मे डॉ रविराज का कहना है कि शनिवार की रात मंडल अध्यक्ष और उनके साथी मुझसे अभ्रदता करने लगे जिसकी शिकायत टीआई, सीएमएचओ व एसपी से की है।

कई अन्य लोगों ने आरोप लगाते हुये बताया कि पहले भी अस्पताल में पदस्थ कर्मचारियों द्वारा अन्य लोगों से अभ्रदता की गई। जिसकी शिकायत थाना बक्सवाहा में की गई थी। युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपेन्द्र परमार का कहना है अस्पताल में मरीज और उनके परेशान परिजन पहुंचते हैं मगर वहां जब इलाज की बजाय डाक्टर व स्टाफ अभद्रता पर उतर आये तो पीडा और बढ जाती है, ये जांच का विषय है। ऐसे में शासन द्वारा दी गयी सुविधाओं का लाभ लोगों को कैसे मिलेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में चंदन सिंह, हरीराम अहिरवार, राजेंद्र नामदेव, कन्हैया यादव, राजा तिवारी, शिक्षक देवीसिंह राजपूत, मुरलीधर पटेल, संतोष सोनी, चंद्रशेखर दीक्षित, छुट्टन रैकवार, शहजान खान, मुकेश बिल्थरे और अरविंद खटीक सहित अनेक लोग शामिल रहे।

नगर पालिका की सीएमओ की कार्यशैली से सुलगने लगी असंतोष की आग, निंदा प्रस्ताव की तैयारी

भाजपा, कांग्रेस, बसपा और निर्दलीय 17 पार्षदों ने छेड़ी सीएमओ हटाओ मुहिम

नौगांव, देशबन्धु। नगर पालिका सीएमओ नीतू सिंह की निष्क्रिय कार्यप्रणाली से रूष्ट पार्षदों ने सीएमओ हटाओ मुहिम छेड दी है। भाजपा, कांग्रेस, बसपा और निर्दलीय चुने के पार्षदां में से नाराज 17 पार्षदों ने निदा प्रस्ताव के बारे में नपा अध्यक्ष को ज्ञापन दिया है। अब ये मामला तूल पकडने लगा है।

नगर पालिका में जो असंतोष पनप रहा है वह अब बडे पैमाने उबलने लगा है। आरोप प्रत्यारोप और तरह तरह की नाकामियों के स्वर मुखर हो रहे हैं। जिनमे सीएमओ चौतरफा धिर गई हैं। नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष अजय दौलत तिवारी के नेतृत्व में 20 में से 17 पार्षदों ने एकजुट होकर सीएमओ नीतू सिंह की मनमानी व निष्क्रिय कार्यशैली से परेशान होकर परिषद की बैठक बुलाने और उनके कार्यों की समीक्षा कर निंदा प्रस्ताव को लेकर नपा अध्यक्ष अनूप तिवारी को ज्ञापन दिया है। 17 पार्षदों ने बताया कि वे दलगत राजनीति से हटकर शहर में रुके विकास कार्य को शुरू कराने, चरमराई सफाई व्यवस्था को बेहतर करने सहित अन्य मांगों को लेकर सीएमओ की कार्यशैली का विरोध कर रहे हैं। संयुक्त पार्षदों के दल ने अध्यक्ष अनूप तिवारी को बताया कि जनता ने उन्हें विकास कार्य और सफाई व्यवस्था सही रखने के लिये ही बडी उम्मीद से चुनकर परिषद में भेजा था। सीएमओ नीतू सिंह की मनमानी एवं निष्क्रिय कार्यशैली से उनके वार्डों के कार्य रुके पड़े हैं, वार्डवासी परेशान हैं लेकिन सीएमओ किसी भी कार्य के प्रति गंभीर नहीं है। इनके उदासीन रवैये के कारण निकाय की वसूली नही हो पा रही है जिससे कर्मचारियों की दो दो माह की वेतन रुकी पडी है। नगर की सफाई व्यवस्था बदहाल है, कचरा वाहन भी खराब है। नल कनेक्शन से लेकर स्ट्रीट लाईट व्यवस्था चरमराई है।

महिला पार्षदों ने भी लगाये कई आरोप

नगर पालिका की कई महिला पार्षदों ने सीएमओ पर पार्षदों से अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुये बताया परिषद की बैठक में जिन बिंदुओं पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाता है उन बिंदुओं पर सीएमओ कोई कार्यवाही नहीं करती हैं। इस कारण से आगामी दिनों में जल्द से जल्द परिषद की बैठक का आयोजन कर सीएमओ के कार्यों की समीक्षा कर आगे की रणनीति बनाई जाए। इस दौरान पार्षद विष्णु स्वरूप नायक, ताहिर मंसूरी, श्रीराम यादव, यूसुफ राइन, मीना जाटव, पार्षद प्रतिनिधि अरविंद यादव, अमित तिवारी और ब्रजेंद्र साहू सहित अन्य पार्षद मौजूद रहे।

सिजई उप स्वास्थ्य केन्द्र में लटका ताला, गुढा अस्पताल नहीं हो सका हैंडओवर

लवकुशनगर, देशबन्धु। ग्राम सिजई के उप स्वास्थ्य केन्द्र में अकसर ताल लटका रहने से लोग इलाज के लिये परेशान हैं। वहीं गुढा का अस्पताल भवन बनकर तैयार है मगर अधिकारियों की लापरवाही से वह आज तक हैंडओवर न हो पाने से शोपीस बना है। ये नया भवन शराबियों का अड्डा बन गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में शासन ने लाखों की लागत से आरोग्य केन्द्र बनाये ताकि गांव के लोगों को मामूली बीमारी सर्दी, जुखाम, बुखार का इलाज आसानी से गांव में ही मिल सके लेकिन गांव में खुले अस्पताल दिखावा साबित हो रहे हैं। उप स्वास्थ्य केन्द्र सिजई में अस्पताल इस उद्देश्य से खोला गया था कि सिजई से जुड़े ग्राम बेड़ी, शाहपुर सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को आसानी से इलाज मिल जाये। मगर अकसर यह अस्पताल बंद मिलता है। यहां पदस्थ कर्मचारियों की मनमानी के कारण लोगों को जब यहां इलाज की सुविधा नहीं मिलती है तो उन्हें लवकुशनगर या अन्य जगह जाकर इलाज कराना पडता है या फिर गांव के आसपास नीमहकीमों के चक्कर मे पडना पडता है। ग्रामीणों ने बताया कि सिजई के आरोग्य केन्द्र में पदस्थ एएनएम की मनमानी के चलते लोगों को मामूली सी बीमारी के इलाज के लिये लवकुशनगर तक भागना पडता है। अक्सर आरोग्य केन्द्र में ताला लटका देखकर लोग निराश होकर वापस लौट जाते हैं। बीएमओ डॉ एसपी शाक्यवार का कहना है कि सिजई में एएनएम की नियुक्ति है। अगर वहां ताला लगा रहता है तो पता करके कार्यवाही करुंगा।

शराबियों का अड्डा बना गुढाकला का आरोग्य केन्द्र

लवकुशनगर अंचल के अंतर्गत् ग्राम गुढाकला का आरोग्य केन्द्र बनने के बावजूद अभी तक उपयोग में नहीं आ सका है। बताया गया है कि गुढाकला गांव में आरोग्य केन्द्र का भवन करीब 3 वर्ष पूर्व बन चुका है। तब से अब तक यह भवन ठेकेदार से विभाग को हैंडओवर नहीं हो सका है। बनाये गये भवन में अब शराबियों का स्थाई अडडा बन गया है। यहां पूरे दिन शराब के शौकीनो का जमघट लगा रहता है। देखरेख के आभाव में नया भवन भी अब जगह जगह से खराब होने लगा है। ग्रामीणों ने बताया आरोग्य केन्द्र बनने से बड़ी आशा जगी थी कि अब छोटी मोटी बीमारियों का इलाज गांव में ही मिल सकेगा लेकिन आरोग्य केन्द्र चालू न होने से 5 किमी दूर लवकुशनगर जाकर इजाल कराना पडता है।

नारी शक्ति संगम में समाज में महिलाओं की भूमिका पर किया गया मंथन

भारतीय नारियों ने शिक्षा, समानता और अधिकारों का पाठ पढाया है : मेघा पवार

छतरपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक्सीलेंस स्कूल में मधुकर राष्ट्रोत्कर्ष समिति एवं महिला समन्वय समिति के संयुक्त तत्वाधान में नारी शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समाज में महिलाओं की भूमिका विषय पर मंथन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रांत संयोजिका महिला समन्वय, सदस्य बाल अधिकार संरक्षक आयोग मप्र मेघा पवार ने कहा भारतीय नारियों में सावित्री, गार्गी, अदिति, झांसी की रानी और रानी दुर्गावती ने न केवल स्त्री शिक्षा, समानता और महिला अधिकारों का पाठ विश्व की अन्य महिलाओं के समक्ष रखा बल्कि आधुनिक महिलाओं के लिए उदाहारण प्रस्तुत किया है। भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका पर बोलते हुये सेवानिवृत्त सैन्य मनोवैज्ञानिक डा वर्णिका शर्मा ने कहा कि नारी समाज और परिवार में ऊर्जा के साथ काम करती है। अब राष्ट्र के लिए भी काम करना होगा, हमें नैतिक मूल्यों और संस्कारों को अपने बच्चों को सीखना होगा। सेवानिवृत्त प्राचार्य शिक्षा महाविद्यालय विनीता गुप्ता ने संक्षिप्त विचार रखे। मुख्य अतिथि कुलपति महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय प्रो शुभा तिवारी और विशिष्ट अतिथि संरक्षक श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय कुंतीदेवी सिंह गौतम ने भी विचार व्यक्त किये।

कई महिलाओं को किया सम्मानित : कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में महिलाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में चर्चा की गईं। मनोरंजन की कडी में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। सेल्फी प्वाइंट, स्टाल और प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। अंतिम सत्र में स्थानीय समाजसेवी व उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं में डा सुधा चौबे, डॉ अनिता सेंगर, रमा चौरसिया को मंच से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में महिलायें व बालिकायें मौजूद रहीं।

187 मरीजों की आंखों की हुई जांच, 27 को भेजा चित्रकूट

छतरपुर, देशबन्धु। नगर अग्रवाल समाज एवं नवयुवक मंडल द्वारा सरानी दरवाजा बाहर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में भारत विकास परिषद के सहयोग से सोमवार को नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

जिला अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगे नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 187 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जांच में 27 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाए जाने पर उन्हें चित्रकूट भिजवाया गया। शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के डॉ अरविंद मिश्रा, डॉ रोहित लखेरा, मनीष यादव और विजय पांडे की टीम ने मरीजों की आंखों की निशुल्क जांच कर उन्हे आवश्यक मार्गदर्शन दिया तथा दवाएं और चश्मा प्रदान किए। शिविर में 27 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया उन मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए निजी वाहन से निशुल्क चित्रकूट ले जाया गया। आपरेशन के बाद मरीजों को वापस निजी वाहन से छतरपुर तक छोड़ने की व्यवस्था की जाएगी।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज के कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष शिवम शानू, अग्रवाल महासभा के जिलाध्यक्ष आनंद अग्रवाल, हर्षित टीटू, संतोष खैरी वाले, मुकेश मम्मा, सौरभ सन्नी, बंटी, अभिषेक, भारत विकास परिषद के जिलाध्यक्ष ब्रजकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष इंजी दिलीप अग्रवाल, सचिव रामकुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामनारायण अग्रवाल आदि ने उपस्थित होकर मरीजों का सहयोग किया। शिविर में मरीजों को खिचड़ी प्रसाद तथा भोजन की व्यवस्था की गई थी।

विश्वविद्यालय में रोजगार से जुड़े नये कोर्स शुरू होंगे, जल्दी बनेगा नया भवन : कुलपति

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में रोजगार से जुड़े कई नये कोर्स शुरू होंगे। नया भवन तथा आडिटोरियम का कार्य भी जल्दी शुरु होगा। यह बात कुलपति प्रो शुभा तिवारी ने तीसरे दीक्षांत समारोह के पूर्व बुलाई प्रेस कांफ्रेंस में कही है।

कुलपति प्रो शुभा तिवारी ने बताया दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय का सर्वोच्च कार्यक्रम है जो 14 फरवरी को कुलाधिपति मंगूभाई जी पटेल की अध्यक्षता में हो रहा है। समारोह में 38 छात्र छात्राओं को गोल्ड मेडल तथा 8 संकाय के छात्र उपाधि प्राप्त करेंगे। इस दौरान पारंपरिक शोभा यात्रा भी निकलेगी। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के द्वारा 100 निर्धन बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दी जा रही है। परीक्षा पुस्तिकाओं के केंद्रीय मूल्यांकन की व्यवस्था शुरू की गई है। नई वेबसाइट बनाई है। विवि परिसर में स्व सहायता समूह की कैंटीन शुरू की गई और पानी की समस्या दूर करने आरओ प्लांट लगाया जा रहा है। बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम के 4 करोड से कायाकल्प के बाद उसके दुरुपयोग के सवाल पर कुलपति ने बताया स्टेडियम विश्वविद्यालय का है, उसमें अब खेलों के अलावा राजनीतिक या अन्य कोई भी गतिविधियां नहीं होंगीं।

कुलपति ने उपलब्धियों और भावी योजनाओं का जिक्र करते हुये बताया कि विश्वविद्यालय में ड्रोन टेकनोलाजी, फोरेंसिक साइंस, वाइल्ड लाइफ कंजरवेशन, बुंदेलखंड की संस्कृति एवं पाक कला, आयुर्वेदिक लाइफ स्टाइल पर डिप्लोमा शुरू करेंगे। एमपी टूरिज्म के सहयोग से होटल मैनेजमेंट का कोर्स शुरू कर दिया है। एग्रीकल्चर में बीएससी का कोर्स भी शुरू करेंगे। अनुवाद पर केंद्र स्थापित किया है। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के कई सवालों के जवाब देकर विश्वविद्यालय के विकास और कार्यशैली को स्पष्ट किया। इस अवसर पर कुलसचिव यशवंत पटेल, परीक्षा नियंत्रक प्रो ममता बाजपेई, डीएसडब्ल्यू डा आरके पांडेय और मीडिया प्रभारी प्रो सुमति प्रकाश जैन मौजूद थे।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

सतत प्रयासों से मातृ शिशु एवं बाल पोषण व्यवहारों में होगा सुधार

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में शिशु मृत्युदर एवं कुपोषण कम करने के उद्देश्य से उन्मुखीकरण कार्यशाला का एक दिवसीय आयोजन सोमवार को ऑडिटोरियम छतरपुर में आयोजित किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार द्वारा दीपप्रज्जवलन कर किया गया। उन्होंने कहा हम सबके सतत प्रयासों से मातृ शिशु एवं बाल पोषण व्यवहारों में सुधार जरूर होगा। उन्होंने कहा कार्यशाला का उद्देश्य संस्थागत एवं सामुदायिक हस्ताक्षेपों का क्रियांवयन कर स्तनपान तथा शिशु बाल आहार पूर्ति व्यवहारों पर निरंतर जन जागरूकता बढ़ाना है। कार्यशाला में आईआईटी मुंबई की डॉ. रूपल दलाल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कुपोषित बच्चे, हार्ड अटैक, सुगर कोलेस्ट्रॉल सहित स्वस्थ रहने के विभिन्न तरीके बताये गए।

उल्लेखनीय है कि उक्त पायलट प्रोजेक्ट अंतर्गत जिले के समस्त स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा ऑनलाइन एचएसटी वीडियो का उपयोग कर गर्भवती, धात्री माताओं के पोषण सुधार तथा शिशु एवं बाल आहारपूर्ति व्यवहारों पर मूलभूत उन्मुखीकरण किया जायेगा।

कार्यशाला में जिले के जनपद पंचायतों के सीईओ, बीएमओ, बीपीएम, बीसीएम, सीडीपीओ, सीएचओ, सुपरवाइजर महिला बाल विकास, काउंसलर, ट्रैनर आरकेएसके, एफडी एनआरसी एवं मेडिकल ऑफिसर, महिला एवं बाल विकास अधिकारी राजीव सिंह, डीपीएम राजेन्द्र खरे सहित डीआईओ और डीएचओ उपस्थित रहे।

400 पार का लक्ष्य पाने कार्यकर्ता जुट जाएं

छतरपुर, देशबन्धु। भाजपा के गांव चलो अभियान के तहत छतरपुर विधायक ललिता यादव ने विश्वनाथ कालोनी स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 100 पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संपर्क किया। इस दौरान विधायक ने बूथ पर रुक कर सरकार की योजनाएं बताई और कार्यकर्ताओं से केन्द्र सरकार की योजनाओ का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने मे कोई कसर न छोड़ने का आह्वान किया। विधायक श्रीमती यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को भाजपा की रीति-नीति से अवगत कराते हुए उन्हें पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 100 दिन बाद लोकसभा के चुनाव होने वाले हैं पार्टी नेतृत्व ने इस बार 400 पार का लक्ष्य रखा है और यह लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब कार्यकर्ता पूरी सक्रियता से जुट जाएं और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ें।

देशज समारोह में दर्शकों के लिये आकर्षण का केन्द्र रही बुंदेली कलाकरों की प्रस्तुतियां

फाग, बन्ना, दादरा के सुरों मे झूमे श्रोता, अहिराई और बरेदी नृत्यों ने बांधा शमां

खजुराहो, देशबन्धु। *मप्र शासन संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित आदिवर्त जनजातीय लोककला राज्य संग्रहालय में नृत्य, नाट्य, गायन एवं वादन पर केन्द्रित समारोह देशज का आयोजन किया गया। जिसमें बुंदेली कलाकरों की प्रस्तुतियां दर्शकों के लिये आकर्षण का केन्द्र रही हैं।*

इस आयोजन में फाग, बन्ना, दादरा गायन के सुरों मे जहां श्रोता झूमे, वहीं अहिराई और बरेदी नृत्यों ने शमां बांध दिया। भोपाल से आये लोक कलाकार फूल सिंह मांडरे व साथियों में नीता पांडेय, निशा यादव, सुमित पांडेय, सीताराम यादव, रामलखन श्रीवास, आरिफ अली, अम्बाराम ने बुंदेली संस्कार गीत की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने गणेश भजन, हरदौल जस, फाग राही, बन्ना और दादरा प्रस्तुत किया। अगली प्रस्तुति गुरुदयाल जाटव व साथियों में मुनीम कुशवाहा, प्रीतम, मान सिंह, जयप्रकाश, जीतेन्द्र, हरी, मोहन ने देवीगीत, बसंत गीत, गारी, जेवनार और विदाई गीत की प्रस्तुती दी। स्वदेश कुमार यादव के साथ ए अनुराधा सिंह, मुकेश, जितेन्द्र, गणेश, मनोज, ददद्दी यादव ने केवट प्रसंग, दादरा, ढिमरियाई, कहरवा और बसंत गीत प्रस्तुत किया।

इन प्रस्तुतियों में सुर, ताल और लय के सम्मोहन में बंधकर दर्शक झूम उठे।

सुर, ताल के साथ अनूठी रही कदमों की थिरकन

बुंदेली लोक कलाकारों द्वारा नृत्यां की प्रस्तुति में सुर, ताल के साथ कदमों की थिरकन का सामंजस्य अनूठा रहा। प्रवीण नामदेव द्वारा ग्वालियर के पशुपालक समूह से संबधित बुन्देली अहिराई नृत्य के रुप में पहली प्रस्तुति दी गई। यह बुंदेलखंड का पारंपरिक लोकनृत्य होने के कारण खासा प्रचलित है। यह नृत्य गांव के बरेदी, अहिर, ग्वाला, राउत और रावत समुदाय द्वारा किया जाता है। इसी क्रम में अंतिम प्रस्तुति में नरेंद्र सिंह के सैला नृत्य की रही। यह नृत्य शरद ऋतु की चाँदनी रातों में आदिदेव को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है। हाथों में लगभग सवा हाथ के डंडे के कारण इसका नाम सैला पड़ा। नृत्य की विविध प्रस्तुति ने ऐसा शमां बांधा की दर्शक भी किसी न किसी तरह से थाप देकर नृत्य में सहभागी बने रहे। बताया गया है 18 फरवरी को शिवरतन यादव एवं साथी सागर, सुनीता कुशवाहा साथी टीकमगढ, रामचरण पटेल छतरपुर, द्वारा संस्कार गीत, रामप्रसाद अहिरवार सागर और गणपत रैकवार छतरपुर द्वारा प्रस्तुती दी जायेगी।

सागर, मंगलवार 13 फरवरी 2024

संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

बिहार एपीसोड : किस सियासत का संकेत है

हाल ही में इंडिया गठबन्धन का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी की मदद से अपनी सरकार बनाकर रिकार्ड नौवीं बार मुख्यमंत्री बनने वाले नीतीश कुमार (जनता दल यूनाइटेड) ने सोमवार को बिहार विधानसभा में विपक्ष के बॉयकॉट के बीच विश्वास मत तो हासिल कर लिया, लेकिन यह एपीसोड अनेक सवाल छोड़ गया है। बेहद निर्लज्जता से दलबदल के बावजूद समर्थन हासिल कर लेना भारतीय राजनीति के उस चेहरे को उजागर करता है जिसमें एकदम विपरीत विचारधारा के दलों के साथ अपवित्र गठजोड़ कर सत्ता बनाई और बचाई जाती है। यह सियासी माहौल दुर्भाग्यपूर्ण तो कहा जा सकता है पर वहीं दूसरी तरफ़ जिस प्रकार से राष्ट्रीय जनता दल के नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ कांग्रेस एवं सीपीआई (एमएल) के सदस्य एकजुट रहे उससे यह भी स्पष्ट है कि बिहार में एक मजबूत विपक्ष जनता के पक्ष में लड़ने के लिये तैयार खड़ा है। इस गठबन्धन ने वह लामबन्दी भी तय कर दी है जिसके आधार पर लोकसभा का चुनाव लड़ा जायेगा, कि कौन किस पक्ष में खड़ा है।

उल्लेखनीय है कि 90 के दशक में पहले समता पार्टी और फिर जेडीयू के रूप में नीतीश बाबू का भाजपा के साथ किया गठबन्धन कई मौकों पर बनता व टूटता रहा। अंतिम बार उनका राजद से मेल हुआ जिन्होंने मिलकर 17 माह तक सरकार चलाई। गुपचुप तरीके से एक बार फिर इस साल की 28 जनवरी को उन्होंने अपनी सरकार का इस्तीफा दिया व उसी शाम नवीं मर्तबा शपथ ले ली। उन्हें फिर से भाजपा ने समर्थन देना मंजूर किया जिसे गरियाते हुए वे डेढ़ वर्ष पहले ही अलग हुए थे। झारखंड में जहां सीएम हेमंत सोरेन (झारखंड मुक्ति मोर्चा) की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के कारण उनकी जगह पर आये चंपाई सोरेन को बहुमत साबित करने के लिये केवल तीन दिन दिये गये, वहीं नीतीश कुमार को 15 दिन मिले क्योंकि सहयोगी भाजपा जो है। विश्वास मत पाने में कोई दिक्कत न हो इसके लिये पहले अविश्वास प्रस्ताव लाकर विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी (राजद) को हटाया गया। कार्यवाही का संचालन महेश्वर हजारा (जेडीयू) ने किया।

इसके पहले प्रस्ताव के खिलाफ बोलते हुए पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने जबरदस्त भाषण में नीतीश कुमार, जीतनराम मांझी, सम्राट चौधरी आदि के एक दूसरे के बारे में विचारों को जिस तरह से बेपर्दा किया उससे उन्हें एवं उनकी पार्टियों को सदन में अच्छी-खासी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। यह संदेश जनता तक साफ गया है जिसके बीच तेजस्वी यादव ने जाने की बात की। तेजस्वी यादव ने कहा है कि जिस मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से नीतीश ने इंडिया गठबन्धन बनाया था, उनकी पार्टी (आरजेडी) व सहयोगी दल (कांग्रेस, सीपीआई-एमएल) उस दिशा में बढ़ते हुए न केवल केन्द्र से बल्कि बिहार से भी भाजपा को उखाड़ फेंकेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उनकी पार्टी (जेडीयू) और भाजपा साथ मिलकर वर्ष 2005 से काम कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पहले जब लालूप्रसाद यादव सीएम थे, तब प्रदेश में अराजकता थी, हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे और कोई भी रात को घर से निकलता नहीं था। उन्होंने तेजस्वी यादव द्वारा हर काम का श्रेय लेने का विरोध किया। नीतीश कुमार ने कहा कि वे तो प्रतिपक्ष के लोगों को एकजुट कर रहे थे, परन्तु जब विरोधी दल खुद ही एकत्र नहीं हो रहे थे तो उन्होंने भाजपा-एनडीए के साथ जाना उचित समझा। उन्होंने कहा कि सरकार के रूप में वे सभी तबकों व वर्गों के काम करते रहेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि अब वे भाजपा के साथ ही रहेंगे और कहीं नहीं जाएंगे।

वैसे तो नीतीश कुमार के लिये कुर्सी के लिये बार-बार पाला बदला है परन्तु उनका अच्छा प्रदर्शन, चुनावी तथा सदन के भीतर, राजद के साथ गठबन्धन होने पर ही दिखा है। इस बार भी उनकी सरकार ने बड़े पैमाने पर नौकरियां देने के कारण लोकप्रियता हासिल की थी। साथ ही वे सामाजिक न्याय की दिशा में जातिगत जनगणना की बात मुखर होकर उठाते रहे हैं जिसका समर्थन अनेक गैर भाजपायी दल भी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, जिस इंडिया गठबन्धन के मुख्य निर्माताओं के तौर पर नीतीश कुमार को देखा जाता है, उसका भी यह प्रमुख एजेंडा है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इसे जोर-शोर से उठा रहे हैं। इसे भाजपा-एनडीए के ध्रुवीकरण की काट के रूप में देखा जाता है। फिर, ऐसे वक्त में जब संयुक्त प्रतिपक्ष की कोई चर्चा भी नहीं कर रहा था, तब नीतीश कुमार ही आगे बढ़े थे। पटना में उनकी पहल पर इंडिया गठबन्धन की जून, 2023 को पहली बैठक बुलाई गई थी जिसमें 16 दल शामिल हुए थे। इसके बाद यह कारवां बढ़ता चला गया। उनकी मेहनत से बेंगलुरु (जुलाई, 2023) एवं मुंबई (अगस्त-सितम्बर, 2023) और आखिरकार पिछले साल के अंत में दिल्ली में इसकी बैठकें हुईं। 28 दलों को मिलाकर बने इस महागठबन्धन को उनके छोड़ जाने का कारण यह माना जाता है कि वे इंडिया के संयोजक व प्रधानमंत्री का चेहरा बनना चाहते थे। हालांकि वे कहते रहे कि उनकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं है और वे सिर्फ भाजपा को सत्ता से हटाना चाहते हैं।

नीतीश कुमार की जेडीयू जैसे घटक दल के साथ छोड़ने और कुछ अन्य पार्टियों को लेकर भी इसी तरह के शक-ओ-शुबहों के बावजूद इंडिया का आकार एवं ताकत इतनी बढ़ चुकी है कि वह भाजपा व उसके नेतृत्व में बने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबन्धन (एनडीए) को लोकसभा चुनाव में चुनौती व टक्कर देने में सक्षम दिखता है। तो भी, बिहार की परिघटना अनैतिक गठबन्धनों का अस्तित्व रहने और उसके सदनों में विश्वास जीतने की तस्दीक करता है, जो बतलाता है कि भारतीय लोकतंत्र की मूल्यगत व नीतिपरक लड़ाई को बहुत आगे ले जाने की आवश्यकता है।

विदाई 17वीं लोकसभा की या संसदीय व्यवस्था की

संसदीय जनतांत्रिक व्यवस्था में अगर कार्यपालिका या सत्ताधारी, संसद पर अपनी मनमर्जी थोपने में समर्थ हो, तो इसे संसदीय व्यवस्था का अंत ही माना जाना चाहिए। इसके बाद, संसदीय व्यवस्था का सिर्फ खोल ही बचा रह जाएगा, उसके प्राण निकल चुके होंगे। अभी हाल ही में जिस सत्रहवीं लोकसभा की विदाई का कर्मकांड संपन्न हुआ है, उसे संसदीय व्यवस्था की ही विदाई के लिए भी याद किया जाएगा। जाहिर है कि यह संसद पर सत्ताधारियों की मनमर्जी थोपे जाने का ही सबूत था कि संसद के इस संक्षिप्त बजट सत्र को ऐन आखिरी दिन निर्णय कर, एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया। पर सत्ताधारियों की मनमर्जी सत्र के एक दिन बढ़ाए जाने तक सीमित नहीं थी। असली मनमर्जी इसे आखिरी वक्त तक एक 'रहस्य' ही बनाकर रखे जाने में थी कि इस अतिरिक्त कार्यदिवस पर, संसद में होगा क्या? और इस अतिरिक्त कार्यदिवस पर संसद में जो हुआ, उससे एजेंडा ही रहस्य बनाकर रखे जाने का कारण ही नहीं, इस एजेंडा के थोपे जाने का सरासर मनमानापन भी, खुद ब खुद उजागर हो गया। इस रोज एक तो दोनों सदनों में 'राम जन्म भूमि मंदिर' के बनने पर प्रस्ताव पारित कराया गया। दूसरे, 17वीं लोकसभा के इस आखिरी सत्र का समापन प्रधानमंत्री मोदी के भाषण से कराया गया, जो एक प्रकार से आने वाले आम चुनाव के लिए, प्रधानमंत्री के चुनाव प्रचार की शुरूआत भी थी।

वैसे यह पहला मौका नहीं था, जब सरकार द्वारा संसद पर इस तरह अपनी मनमर्जी थोपी जा रही थी। सत्रहवीं लोकसभा को अगर संसद के एक नये, विशालतर तथा कुछ अर्थों में भव्यतर भवन में स्थानांतरित होने के लिए याद किया जाएगा, तो उससे ज्यादा सत्ताधारियों की मनमर्जी थोपे जाने के नया नियम ही बना दिए जाने के लिए भी याद किया जाएगा। वास्तव में संसद के हालिया सत्र के आखिरी दिन जिस तरह संसद को सत्ताधारियों के हुकुम का ताबेदार बनाया गया, उसकी विधिवत शुरूआत तो संसद के भवनांतरण के साथ ही हो गई थी। उस समय शासन के पूरी तरह से इकतरफा फैसले से संसद का 'विशेष सत्र' बुलाया गया था और उस समय भी अंत-अंत तक इस सत्र का एजेंडा रहस्य के पर्दे में ही रखा गया था। विपक्ष के ही नहीं, खुद सत्ता पक्ष के भी अधिकांश सांसद, इसका अनुमान ही लगाते रह गए थे आखिर, विशेष सत्र में होगा क्या? आखिरकार, इस विशेष सत्र में पुराने संसद भवन की विदाई से लेकर, नये संसद भवन में प्रवेश तक, हर मौके पर प्रधानमंत्री के संबोधन का अवसर निर्मित करने के अलावा, महिला आरक्षण बिल पेश किया गया और पारित कराया गया। लंबे इंतजार के बाद पारित हुआ यह बिल इसलिए भी 'ऐतिहासिक' था कि इसके जरिए सत्ताधारी, महिला आरक्षण देने का राजनीतिक लाभ तो तत्काल लेना चाहते थे, लेकिन आरक्षण का कई साल आगे की तारीख का चैक दे रहे थे, जिसका भुगतान होने की भी कोई गारंटी नहीं थी।

बेशक, सत्रहवीं लोकसभा के दौर में, कार्यपालिका के सामने संसद की स्वायत्तता के खात्मे और संसद पर सत्ताधारियों की ही मनमर्जी थोपे जाने का मामला, अपनी मर्जी से संसद का एजेंडा तय किए जाने तक ही सीमित नहीं रहा। इसी सिलसिले की अलग-अलग कड़ियों के तौर पर, इस दौर में संसद ने और भी बहुत कुछ देखा। इस दौर ने नये भवन में संसद में सुरक्षा सेंध के मुद्दे पर बहस की मांग करने के लिए, दोनों सदनों के लगभग डेढ़ सौ सदस्यों का शेष सत्र भर के लिए निलंबन देखा। एक गिनती के अनुसार, इस पांच वर्ष की अवधि में दोनों सदनों ने मिलाकर, कुल 206 बार विपक्षी सांसदों के खिलाफ निलंबन के हथियार का इस्तेमाल किया। इसी दौर ने भी देखा और सिर्फ 13 अल्पावधि चर्चाओं को मंजूरी दिया जाना देखा। इसी लोकसभा ने सत्ताधारी पार्टी के एक सांसद द्वारा सदन में ही एक विपक्षी मुस्लिम सदस्य को, उसकी धार्मिक पहचान को लेकर, भद्दी से भद्दी गालियां देते और सत्तापक्ष तथा सभापति द्वारा उसे साफ बचाए जाते भी देखा। सत्रहवीं लोकसभा ने डिप्टी स्पीकर का पद व्यावहारिक मानों में खत्म हो जाते भी देखा। हैरानी की बात नहीं है कि सत्रहवीं लोकसभा ने, साल में कुल 52 दिन बैठकर, 1952 से सबसे कम बैठकों का रिकार्ड बनाया है। यह दूसरी बात है कि इसके बावजूद, हमने स्पीकर और प्रधानमंत्री को, सदन की 'रिकार्ड उत्पादकता' के लिए, खुद अपनी पीठ ठोकते भी देखा।

इस तरह, सत्रहवीं लोकसभा को, व्यावहारिक मानों में संसदीय व्यवस्था की क्रमिक किंतु कम से कम मध्यम रफ्तार से हत्या के लिए याद किया जाएगा। लेकिन, उसे व्यवस्थित रूप से किंतु बहुत तेज रफ्तार से कदम बढ़ाए हैं। पहले, प्रधानमंत्री, आरएसएस प्रमुख भागवत के साथ, राम मंदिर के शिला पूजन में मुख्य यजमान बन गए, जबकि सुप्रीम कोर्ट के संबंधित आदेश की भावना के हिसाब से, शासन को मंदिर के निर्माण से दूर ही रहना था। लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी की ऐसा करने की शुरू से ही कोई मंशा ही नहीं थी, जिसका सबूत इस काम के लिए गठित कमेटी में चुन-चुनकर ऐसे लोगों का रखा जाना था, जो वर्तमान सरकार का मुंह देखकर ही चलने जा रहे थे। इसके बाद, चुनाव की तारीखों को ध्यान में रखते हुए, जब अधूरे बने मंदिर में ही प्राण प्रतिष्ठा का फैसला कराया गया, प्रधानमंत्री ने न सिर्फ अपना तथा भागवत का मुख्य यजमान होना सुनिश्चित किया, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को हफ्तों और महीनों लंबा अति-प्रचारित ईवेंट बना दिया गया, जिसमें आरएसएस-भाजपा, मोदी सरकार तथा सरकारी तंत्र, सब को पूरी तरह से गडमड कर दिया गया, अभिन्न बना दिया गया। और प्रधानमंत्री के पद पर बैठ कर, अपने भांति-भांति के ब्राह्मणवादी कर्मकांड करने का जमकर प्रदर्शन करते मोदी को, इस सब के केंद्र में रख दिया गया। अब भी अगर कोई कसर रहती थी, तो उसे इस मौके के लिए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से लिखवाए गए बधाई संदेशों ने पूरा कर दिया, जिनमें बड़े सचेत रूप से और आरएसएस की भाषा बोलते हुए, चाम और राष्ट्र' और 'देश और धर्म' को एक कर दिया गया। इसे प्रधानमंत्री ने अयोध्या में अपने संबोधन में और पक्का कर दिया। उधर 22 जनवरी को, केंद्र सरकार में दोपहर बाद तक और अधिकांश भाजपा-शासित राज्यों में पूरे दिन की 'राष्ट्रीय छुट्टी' की घोषणा ने, बहुसंख्यक समुदाय के एक धार्मिक आयोजन को, 'राष्ट्रीय उत्सव' ही घोषित कर दिया। अंत में संसद ने अब बाकायदा प्रस्ताव स्वीकार कर, राम मंदिर के 'राष्ट्र मंदिर' होने पर मोहर लगा दी है और प्रधानमंत्री ने इस दावे के संविधान-अनुमोदित होने का भी ऐलान कर दिया है। संसदीय व्यवस्था के विपरीत, जिसका खोल तो कम से कम अब तब बचा हुआ है, सत्रहवीं लोकसभा धर्मनिरपेक्षता के पूर्ण विसर्जन की ही गवाह बनी है।

फिर भी सब तरफ अंधेरा ही नहीं है। सत्रहवीं लोकसभा ने तीन कारपोरेटपरस्त काले कृषि कानूनों का, बिना समुचित चर्चा के और बहुमत की तानाशाही के बल पर, संसद पर थोपा जाना भी देखा और किसानों के ऐतिहासिक साल भर लंबे आंदोलन के बाद, उसी हठी सरकार द्वारा उन कानूनों का, संसद से ही निरस्त कराया जाना भी देखा। अंधेरा बहुत है, पर जहां-तहां रौशनी की चिलक भी है। संसदीय व्यवस्था हो या धर्मनिरपेक्षता—अब भी दिल नाउम्मीद तो नहीं, नाकाम ही तो है।

(लेखक सामाहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

राजेंद्र शर्मा

> **सब तरफ अंधेरा ही नहीं है। सत्रहवीं लोकसभा ने तीन कारपोरेटपरस्त काले कृषि कानूनों का, बिना समुचित चर्चा के और बहुमत की तानाशाही के बल पर, संसद पर थोपा जाना भी देखा और किसानों के ऐतिहासिक साल भर लंबे आंदोलन के बाद, उसी हठी सरकार द्वारा उन कानूनों का, संसद से ही निरस्त कराया जाना भी देखा। अंधेरा बहुत है, पर जहां-तहां रौशनी की चिलक भी है।**

कठोर कानून बनाने में विधायिका की मंशा को बनाया आधार

■ के रवीन्द्रन

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने जमानत देने के मामले में सामान्य मानदंड के विपरीत एक फैसला सुनाया है, जिसमें कहा गया है कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपी सामान्यत: जमानत पाने के हकदार नहीं हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यूएपीए के आरोपियों को केवल असाधारण मामलों में ही छूट दी जानी चाहिए। न्यायालय ने आगे कहा कि मामले की सुनवाई में देरी जमानत देने का कोई आधार नहीं है।

ध्यान रहे कि सामान्य दंडात्मक अपराधों के मामले में न्यायशास्त्र में पारंपरिक विचार यह है कि जमानत नियम है और जेल अपवाद। इसलिए अदालतों के विवेक को अक्सर इस उद्धृत वाक्यांश के पक्ष में झुकना चाहिए, जब तक कि जमानत न देने के लिए विशेष समुचित परिस्थितियां हों परन्तु यूएपीए के तहत मामलों में आरोपियों के जमानत आवेदनों से निपटने के दौरान इस विचार के लिए कोई जगह नहीं है, न्यायाधीश एमएम सुंदरेश और न्यायाधीश अरविंद कुमार की पीठ ने कहा।

> **लंबे समय तक हिरासत का सामना करने वाले इन व्यक्तियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हाशिए पर रहने वाले समुदायों और धार्मिक अल्पसंख्यकों से है। जमानत हासिल करने में असमर्थता न केवल उन्हें स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार से वंचित करती है बल्कि प्रणालीगत असमानताओं को भी कायम रखती है। यह समझना आवश्यक है कि ऐसे कानूनी निर्णयों का उन लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है जो पहले से ही समाज में हाशिये पर हैं।**

मामला खालिस्तानी आतंकी आंदोलन को बढ़ावा देने के आरोपी एक व्यक्ति की जमानत याचिका से संबंधित है। लेकिन यह नियम स्थापित करते हुए कि यूएपीए के तहत जमानत को अनिवार्य रूप से खारिज कर दिया जाना चाहिए, अदालत ने अधिनियम के तहत जमानत आवेदनों से निपटने के दौरान लागू होने वाले दो-आयामी परीक्षण की व्यवस्था की। इनमें यह भी शामिल है कि जमानत खारिज करने का परीक्षण संतोषजनक है या नहीं। इस संदर्भ में, अदालत ने यूएपीए की विशेष धारा का विश्लेषण किया, जो सीआरपीसी के तहत निर्धारित अपराधों के अलावा, अधिनियम के अध्याय 4 और 6 के तहत अपराधों के आरोपी व्यक्ति को जमानत देने पर प्रतिबंध लगाता है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह कठोर निर्णय यूएपीए जैसे कानून को बनाते समय विधायिका की मंशा पर अपने तर्क को आधारित करता है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। अदालत ने कहा कि यूएपीए लागू करते समय विधायिका का इरादा 'जेल' को नियम और 'जमानत' को अपवाद बनाना था। इसमें कहा गया है कि यूएपीए के तहत जमानत देने की सामान्य शक्ति का प्रयोग दायरे में 'गंभीर रूप से प्रतिबंधात्मक' है, तथा अदालतों को रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के आधार पर रिहाई के मामले में 'मजबूत संदेह' की तुलना में केवल प्रथम दृष्टया संतुष्टि पर पहुंचने की आवश्यकता होती है।

यह फैसला, हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से है, उन हजारों विचाराधीन कैदियों के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करता है जो जमानत हासिल करने में असमर्थता के कारण जेलों में बंद हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इनमें से बड़ी संख्या में लोग कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यकों से संबंधित हैं, जो पहले से ही गंभीर स्थिति में अन्याय की एक अतिरिक्त परत जोड़ते हैं।

आतंकवाद और गैरकानूनी गतिविधियों से निपटने के लिए अधिनियमित यूएपीए की अक्सर इसके कड़े प्रावधानों के लिए आलोचना की गई है, जिसके कारण बिना मुकदमे के लंबे समय तक हिरासत में रखा जा सकता है। हालिया फैसला, जो यूएपीए मामलों में जमानत के दायरे को सीमित करता है, भारतीय जेलों में विचाराधीन कैदियों की पहले से ही चिंताजनक स्थिति को और खराब करने की क्षमता रखता है।

लंबे समय तक हिरासत का सामना करने वाले इन व्यक्तियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हाशिए पर रहने वाले समुदायों और धार्मिक अल्पसंख्यकों से है। जमानत हासिल करने में असमर्थता न केवल उन्हें स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार से वंचित करती है बल्कि प्रणालीगत असमानताओं को भी कायम रखती है। यह समझना आवश्यक है कि ऐसे कानूनी निर्णयों का उन लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है जो पहले से ही समाज में हाशिये पर हैं।

इन विचाराधीन कैदियों की दुर्दशा कानूनी और न्यायिक प्रणाली में व्यापक बदलाव की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, कानूनी सहायता उन लोगों को आसानी से उपलब्ध कराई जानी चाहिए जो इसे वहन नहीं कर सकते। सक्षम कानूनी प्रतिनिधित्व तक पहुंच एक मौलिक अधिकार है और एक निष्पक्ष और उचित कानूनी प्रणाली की आधारशिला है। सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना, सभी के लिए कानूनी सहायता सुनिश्चित करके, हम न्याय प्रणाली में वर्तमान में मौजूद असमानताओं को कम कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, जमानत हासिल करने का वित्तीय बोझ अक्सर कई विचाराधीन कैदियों के लिए एक बड़ी बाधा बन जाता है। राज्य को उन लोगों के लिए वित्तीय सहायता की एक मजबूत प्रणाली लागू करके इस मुद्दे के समाधान के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए जो खुद को कानूनी चक्रव्यूह में फंसा हुआ पाते हैं। एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समाज को किसी व्यक्ति को उसकी वित्तीय हैसियत के आधार पर ही उसे न्याय तक पहुंच निर्धारित करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

न्याय के संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय को इस अवसर का उपयोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए करना चाहिए बल्कि कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी करना चाहिए। न्याय के सिद्धांतों को बनाये रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि निर्दोष जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, सुरक्षा चिंताओं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है।

पावन प्रसंग

बसंत रितु का आगमन

माघ मास शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि हमें यह बताती है कि बसंत ऋतु ने हमारे जीवन में प्रवेश पा लिया है। यह वही दिन है जब हम 'श्री' अर्थात विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती का जन्म दिवस भी मानते हैं। मौसम की शीतलता को अनुभव कर कवि लिखता है-

बसंत रितु का आगमन, फुलवारी चहुं ओर।
पीली सरसों खेत में, मनभावन चितचोर।।

बसंत ऋतु का प्रभाव जहां हर प्राणी के जीवन में हर्षोल्लास का संचार कर जाता है, वहीं लोकगीत और हिंदी साहित्य भी बसंत को अपने शब्दों में पिरोता रहा है। भारतीय फिल्मों में अनेक त्योहारों के अवसर पर बसंत ऋतु पर आधारित गीत गुनगुनाए जाते हैं। गायकों से लेकर गीतकार और संगीतकारों ने अपनी साधना को साधकर ऐसे गीतों को इतिहास के सुनहरे पन्नों पर दर्ज किया है।

बसंत ऋतु में प्रकृति का सौंदर्य मन को मोहित करता है। इस ऋतु का स्वागत स्वयं प्रकृति करती दिखती है। बसंत पंचमी का संबंध जहां गीत ,संगीत, साहित्य, राग, कला आदि से है। पंडित राम नरेश त्रिपाठी ने बसंत के विषय में लिखा है - प्रकृति जब तरंग में आती है, तब वह गान करती है। उसके गीतों में हृदय का इतिहास इस प्रकार व्याप्त रहता है- जैसे प्रेम में आकर्षण, श्रद्धा में विश्वास और करुणा में कोमलता। इसी तरह प्रकृति के गान में मानवीय समाज इस प्रकार प्रतिबिंबित होता है जैसे कविता में कवि और तपस्या में त्याग। भक्ति और श्रृंगार के अद्भुत कवि विद्यापति ने बसंत को शिशु की संज्ञा दी है। वह कहते हैं माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को प्रकृति पूर्णगर्भा हुई थी। नौ माह और पांच दिन व्यतीत होने पर प्रकृति के आंचल में नवजात बसंत ने किलकारी मारी। वनस्पतियां सेविका बनीं। शिशु बसंत को शीतल वायु से बचाने मेघ ने छाया कर दी। धतूरा, तुरही बजाता प्रतीत हो रहा है, तथा नागकेशर की कली शंख ध्वनि कर रही है। कमल की पंखुड़ियों से मधु लाकर भ्रमर बाल बसंत को सौंप रहे हैं। कमलनाल को जोड़कर बसंत के कमर में करधनी पहनाई गई है। नव पल्लवों ने बसंत की शैय्या तैयार की है और केशर ने उसे बदनखा पहनाया है। अरुण रथ पर आरूढ़ सूर्य देव जन्मपत्री बना रहे हैं, तथा कोयल ने उसका नामकरण कर 'बसंत' नाम दिया है। ऐसा प्रतीत होता है मानो आम्र मंजरियां बसंत को हार पहना रही हों। यूं भी देखा जाए तो बसंत खिलने का मौसम है फिर क्यों न उस मौसम के अनुकूल रागों को गुनगुनाया जाए? बसंत के विषय में कविवर रबिंद्रनाथ टैगोर ने लिखा - बसंत जंगल के फूल खिलने का समय है। यह जीवन के आकर्षण, घुमड़ने और उत्सव के खेलने का समय है। वृक्ष- पौधे स्वयं को त्यागने के लिए पागल हो जाते हैं। वे उड़ रहे हैं... हमारा ऐसा कोई संबंध नहीं जो बसंत के गुप्त अमृत से निकले हुए फूलों में है। वह हमारे आंगन को अपनी छाया में ढाल रहे हैं। वह हमें अपने सुगंध के आलिंगन में घेर रहे हैं। कवियत्री महादेवी वर्मा ने अपनी कविता 'स्वप्न से किसने जगाया' में बसंत ऋतु का जिक्र किया है- बसंत पतझड़ के मौसम के बाद ठूंठ हो चुके पेड़-पौधों में फूल-पत्तियों के खिलने का समय है। इनमें भंवरे और मधुमक्खियां अपने जीवन की धारा तलाशने पहुंचते हैं। यही कारण है कि इसे 'मधुमास' भी कहा जाता है।

डॉ सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती धार्मिक कट्टरता एवं हिंसा

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया है। देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकते हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कम होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा, विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है। वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है। आंदोलन का स्वरूप सदैव शांतिपूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक-आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं, जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाति ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमा चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबब बन चुके है और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है।

संजीव ठाकुर

झाबुआ में प्रधानमंत्री ने हितग्राहियों से किया संवाद, योजनाओं का फीडबैक लिया

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झाबुआ में जनजातीय महा सम्मेलन के अवसर पर विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियो से संवाद किया। उन्होंने आहार अनुदान योजना के हितग्राही श्रीमती गोरा बाई सहरिया, रामी बाई सहरिया, वास्तो बाई सहरिया से संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते मौजूद थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने योजना के लाभ मिलने संबंधित जानकारी ली। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के हितग्राही प्रकाश वसुनिया, श्रीमती रुखमा बाई डामोर से संवाद करते हुए योजना के लाभ के बारे में जानकारी ली। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के हितग्राही दीपक डामोर एवं सचिन चौहान से संवाद करते हुए योजना के लाभ और उससे रोजगार के मिले अवसर की जानकारी ली।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री का आभार माना, कहा-

प्रदेश को मिली सौगातों से विकास की गति और तेज होगी

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज का दिन विकास की दृष्टि से मध्य प्रदेश के लिए ऐतिहासिक दिन है। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज झाबुआ पधारकर 7550 करोड़ रूपए की 22 विकास परियोजनाओं के माध्यम से जनता को विकास की कई सौगातें दी हैं। इससे प्रदेश में विकास की गति और तेज होगी। श्री शर्मा ने राज्य को दी गई विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने क्रांतिसूर्य टंट्या भील के नाम से विश्वविद्यालय स्थापित कर उन्हें गौरव और सम्मान देने का कार्य किया है।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का झाबुआ आना हमारे पूरे देश के जनजातीय भाई बहनों एवं गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश के दूरस्थ क्षेत्र से आए सभी भाई बहनों का सौभाग्य हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा क्रांतिसूर्य टंट्या मामा की स्मृति में विश्वविद्यालय की घोषणा से खरगौन और झाबुआ समेत आस-पास के जिलों के युवाओं को स्थानीय स्तर पर बेहतर उच्च शिक्षा सुलभ होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के नवनिर्माण के संकल्प के साथ गरीब कल्याण, देश के सर्वांगीण विकास के साथ ही भारत हर क्षेत्र में सशक्त व समृद्ध हो रहा है।

भेल जूनियर एग्जीक्यूटिव क्लब के सदस्यों के बीच हुआ क्रिकेट मुकाबला

भोपाल, देशबन्धु। भेल जूनियर एग्जीक्यूटिव क्लब भोपाल के सदस्यों के बीच रविवार को पिपलानी स्थित छत्तीसगढ़ मैदान में क्रिकेट मैच खेला गया। जिसमें जनरल सेकेट्री एकादश और ज्वाइंट सेकेट्री एकादश के बीच हुए कडे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए ज्वाइंट सेकेट्री एकादश की टीम विजेता रही। 12 ओवर के इस मैच में जनरल सेकेट्री टीम के कप्तान आर के प्रसादने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। लेकिन ज्वाइंट सेकेट्री की बेहतरीन फिल्डिंग के चलते बहुत देर मैदान में टिक नहीं पाई और मात्र 67 रन बना कर पूरी टीम ऑल आउट हो गई। इसके बाद ज्वाइंट सेकेट्री एकादश ने 11वें ओवर में 70 रन बना कर शानदार जीत हासिल की। मैन ऑफ द मैच रजनीकांत चौबे रहे।

मंत्रालय सेवा अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के चुनाव 20 को

भोपाल, देशबन्धु। मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ के 20 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्र भरे जाएंगे। निर्वाचन अधिकारी भगवान सिंह यादव ने बताया कि वल्लभ भवन क्रमांक-1 प्रथम तल कक्ष क्रमांक-128 से दोपहर 1 से 1:30 बजे तक नामांकन पत्रों का प्रदाय किया जाएगा, जो पूरी तरह से भरकर शाम 4 से 5 बजे तक जमा करने होंगे।

'गीतांजलि' के हिन्दी अनुवाद का लोकार्पण

अनुवाद के लिए सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और मन: स्थिति को समझना ज़रूरी : डॉ सिंह

भोपाल, देशबन्धु। मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन की स्थापना के पैंसठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज मायाराम सुरजन भवन में 'गुरुवर रवीन्द्र नाथ टैगोर' रचित 'गीतांजलि' का हिंदी अनुवाद - जो कि अपने समय के प्रख्यात साहित्यकार स्व. भवानी प्रसाद तिवारी द्वारा किया गया था, वागीश्वरी प्रकाशन द्वारा पुनर्प्रकाशित कर लोकार्पित किया गया। इस अवसर पर सुपरिचित कथाकार एवं समालोचक डा. श्रद्धा श्रीवास्तव और सुप्रसिद्ध कवि एवं अनुवादक डा. मीता दास ने अपने विचार व्यक्त किये। आयोजन के मुख्य अतिथि ख्यातिलब्ध आलोचक डॉ विजय बहादुर सिंह ने गीतांजलि और भवानी प्रसाद तिवारी को केंद्र में रख कर कहा कि किसी भी साहित्यिक कृति का महज शाब्दिक अनुवाद पर्याप्त नहीं होता, उसके प्रत्येक शब्द की सांस्कृतिक पृष्टभूमि और मनः स्थिति को जानना-समझना अनिवार्य होता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ लेखक सत्यमोहन वर्मा ने कहा कि 'गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी की गीतांजलि के वैसे तो कई हिन्दी अनुवाद मौजूद हैं, लेकिन भवानी प्रसाद तिवारी द्वारा किया गया ये अनुवाद सर्वश्रेष्ठ है। मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन को बधाई देता हूं कि उन्होंने इस अनुवाद को इतने सालों बाद एक नया जीवन दिया।'

आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में मौजूद स्व. भवानी प्रसाद तिवारी की सुपत्री डॉ. आभा दुबे ने भी अपने विचार व्यक्त किये। स्व. तिवारी जी के नाती चैतन्य दुबे ने तिवारी जी की कविता का सस्वर पाठ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनोरंजन दास द्वारा गीतांजलि की चुनिंदा रचनाओं के गायन ने और समापन तापस चक्रवर्ती द्वारा रवीन्द्र संगीत की प्रस्तुति से हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रो. विजय अग्रवाल और आभार प्रदर्शन अभिषेक वर्मा ने किया।

अपाक्स ने दी चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

भोपाल, देशबन्धु। मप्र पिछड़ा वर्ग, अनुसूचितजाति-जनजाति एवं अल्पसंख्यक कर्मचारी संघ (अपाक्स) की बैठक रविवार को आयोजित की गई, जिसमें एससी-एसटी सहित ओबीसी कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा के साथ तय किया गया कि 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन शासन को सौंपा जाएगा और मांगों का निराकरण नहीं होने की स्थिति में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता अपाक्स के अध्यक्ष भुवनेश पटेल ने की, जिसमें सभी जिलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।बैठक में श्री पटेल ने कहा कि एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के कर्मचारियों की लंबित मांगों का निराकरण नहीं हो रहा है। अगर जल्द ही समाधान नहीं किया गया, तो संगठन आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने खाली पदों पर आउटसोर्स एवं संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति देने की मांग की। वे कहते हैं कि लंबे समय से शासन में खाली पदों पर नियुक्तियां नहीं की गई हैं। इस कारण आउटसोर्स और संविदा कर्मियों में असंतोष है। अधिकारियों-कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन शुरू करने पर भी बात हुई।

बैठक में बताया गया कि पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति को नहीं मिली है। परीक्षा का समय नजदीक है इसलिए स्कालरशिप तुरंत बांटी जाए। वहीं नई पेंशन योजना (एनपीएस) को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और एनपीएस लागू करने की मांग को लेकर जिला स्तर पर ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। बैठक में सीएस यादव, विकास मालवीय, डॉ. आरपी साहू, कैलाश सूर्यवंशी, विनोद विश्वकर्मा, कृष्ण मुकाती, महमूद सिद्दीकी, महेश अहिरवार, एचपी साहू, एच जौहरी, अतीक खान, संजय नरवरे, प्रदीप पटेल, जगदीश सिंह यादव, कमली सिंह, पुष्पेन्द्र यादव, राजेंद्र सिंह यादव, सुरेश पंथी आदि उपस्थित थे।

2 कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष बनाए गए

संगठन के काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए संगठन की बैठक में कैलाश सूर्यवंशी और विनोद विश्वकर्मा को कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष बनाया गया। दोनों को बैठक में बधाई दी गई।

विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया सहित 50 कांग्रेसियों को समन

झाबुआ, देशबन्धु। लोकसभा चुनाव से पहले मप्र में आयकर विभाग की एंट्री हो चुकी है।वह सूत्रों की माने तो झाबुआ विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया सहित मध्यप्रदेश कांग्रेस के लगभग 50 से अधिक नेताओं को इनकम टैक्स विभाग ने समन जारी किया है। इनमें विक्रांत भूरिया, गोविंद गोयल, मधु भगत और देवाशीष जरारीया जैसे कांग्रेसी शामिल हैं। विक्रांत भूरिया झाबुआ से विधायक हैं। वहीं देवाशीष जरारिया भिंड लोकसभा सीट से प्रत्याशी रह चुके हैं। गोविंद गोयल बिजनेसमैन के साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, तो मधु भगत परसवाड़ा से विधायक हैं।

ये समन पिछले लोकसभा चुनाव में खर्च हुए रुपयों को लेकर है। इस समन में आयकर विभाग ने ये सवाल किया है नेता ये बताएं कि आखिर उन्हें रकम कहां कहां से मिली और उस रकम को कहां कहां खर्च किया गया। कांग्रेस सूत्रों की माने तो आयकर विभाग जिन रुपयों को लेकर सवाल कर रहा है उसका जिक्र सिर्फ कागजों पर हैं न कि किसी ऑफिशियल डॉक्यूमेंट में। आयकर विभाग का समन मिलने के बाद एआईसीसी में हड़कंप मचा हुआ है।

शिवाजी महाराज की जयंती पर कार्यक्रम 19 को

भोपाल, देशबन्धु। कुणबी पाटिल समाज छत्रपति शिवाजी महाराज की 394वीं जयंती के मौके पर 19 फरवरी को भोपाल में कार्यक्रम का आयोजन करेगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समाज ने रविवार को जवाहर उद्यान शिवाजी नगर में बैठक का आयोजन किया, जिसमें कार्यकारिणी द्वारा कार्यक्रम की रुपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रवक्ता सुरेश पाटिल ने बताया कि अध्यक्ष प्रकाश आधार पाटिल के नेतृत्व में बैठक में कई निर्णय लिए गए। इस वर्ष शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पहुंचने वाली हर रैली का भव्य स्वागत सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में राजनेता,समाजसेवी और नामचीन हस्तियां शामिल होंगी। बैठक में सचिव समाधान दिलीप पाटिल, उपाध्यक्ष विश्वास दयाराम पाटिल, उपाध्यक्ष राजू श्रीराम पाटिल, त्रिम्बक प्रेम पाटिल, पन्नालाल महादु पाटिल, पुंडलिक शंकर पाटिल, गणेश भिका पाटिल, दीपक ज्ञानेश्वर पाटिल, दिनेश श्रीराम पाटिल शामिल हुए। बैठक के बाद सभी से अपील की है कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोग शामिल हों।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

भोपाल, देशबन्धु। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर प्रदेश भर में कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित की। भोपाल के लालघाटी चौराहे पर पं. दीनदयाल की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं प्रदेष संगठन महामंत्री हितानंद ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' का भाव रखते हुए सबके प्रगति और विकास के लिए राजनीति का एक नया दर्शन दिया, जिसे दुनिया एकात्म मानव दर्शन के नाम से जानती है। जिसका मूल भाव गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव आए और उन्हें मूलभूत सुविधाओं की प्राप्ति हो।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने एक ऐसा दर्शन दिया, जिसके आधार पर चलकर आज भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है। राजनीतिक दल बनने के बाद भारत भर में आज पंच-सरपंच से लेकर देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं। इस अवसर पर प्रदेष शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, भोपाल जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आध्यात्मिकता भारतीय विचार प्रक्रिया का मूल है : मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आध्यात्मिकता ही भारतीय विचार प्रक्रिया का मूल तत्व है। हम मूलत: आध्यात्मिक हैं। सम्पूर्ण प्रकृति में परमेश्वर व्याप्त है। उसे आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महसूस किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में माधव सेवा न्यास में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी मध्य प्रान्त के द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा ज्ञान-विज्ञान अत्यंत प्राचीन है। कुंभ का मेला नक्षत्र के अनुसार होता है। प्रत्येक बारह वर्ष में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन किया जाता है। डॉ. यादव ने कहा कि आध्यात्मिकता की यात्रा ही भारत के विकास की यात्रा है। उज्जैन में स्थित डोंगला में स्टेण्डर्ड टाईम की गणना होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने बताया कि पौधों में प्राण होते हैं।

विमर्श कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकनाथ रनाडे के विचारों पर विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के विद्यार्थियों द्वारा लिखित पुस्तक ध्येयनिष्ठ जीवन'' का विमोचन किया। विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी की उपाध्यक्ष पद्मश्री डॉ.निवेदिता भिंड ने कहा कि आध्यात्मिकता केवल एक उपासना तंत्र नहीं है अपितु आध्यात्मिकता के सम्बन्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि स्वभाव ही आध्यात्मिकता है। अपनेपन के दायरे में जो आता है, वह आध्यात्मिकता है। जो व्यक्ति परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है, वह आध्यात्मिकता ही है। व्यक्ति का विस्तृत स्वरूप परिवार है। परिवार का विस्तृत स्वरूप समाज है। समाज का विस्तृत स्वरूप राष्ट्र है और राष्ट्र का विस्तृत स्वरूप ही सम्पूर्ण विश्व है। व्यक्ति अपना स्वाभाविक जीवन जीते हुए नि:स्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करता है, वह सब आध्यात्मिकता ही है।

महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन की आर्थिक प्रगति में तेजी आई

प्रबंध निदेशक इंजीनियरिंग प्रा.लि. के प्रतीक पटेल ने कहा कि उज्जैन में जब से महाकाल लोक बना है, तब से उज्जैन का आर्थिक विकास तेज गति से हो रहा है।

किसानों के प्रदर्शन से पहले ही पुलिस अलर्ट

नई दिल्ली, देशबन्धु। किसानों के 13 फरवरी को दिल्ली चलो मार्च के मद्देनजर रविवार को राजधानी के उत्तर पूर्वी जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू किया गया, जिसके तहत बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर पाबंदी है। दिल्ली में यह आदेश 11 फरवरी से लेकर 11 मार्च तक प्रभाव में रहेगा। दरअसल, लगभग 200 किसान संघ द्वारा आयोजित दिल्ली चलो मार्च के तहत उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से बड़ी संख्या में किसानों के मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी की ओर कूच करने की संभावना है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, हमने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लगाई है। सूचना मिली है कि कुछ किसान संगठनों ने अपने समर्थकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने की अपनी मांगों को लेकर 13 फरवरी को दिल्ली में एकत्रित होने करने का आह्वान किया है। किसी को भी कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि किसानों के अपनी मांग पूरी होने तक दिल्ली की सीमाओं पर धरना देने की आशंका है। इसमें कहा गया है, पहले के विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों ने जिस तरह का व्यवहार और अडियल रुख दिखाया था, उसे ध्यान में रखते हुए, किसानों,समर्थकों के अपने-अपने जिलों से ट्रैक्टर ट्राली, हथियार के साथ दिल्ली की ओर कूच करने की संभावना है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और अन्य संभावित क्षेत्र से भी किसान आएंगे। आदेश के अनुसार, इलाके में जान और माल के नुकसान, किसी भी अप्रिय घटना से बचने और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए धारा 144 लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आदेश दिया जाता है कि उत्तर पूर्वी जिला पुलिस प्रदर्शनकारियों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मैंने सभी विधायकों से बात.... सरकार द्वारा जंयत चौधरी के दादा और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का एलान किया गया था, जिसके बाद से जयंत चौधरी के एनडीए में जाने की अटकलें थी। हालांकि अब उन्होंने साफ कर दिया है कि वह जल्द ही बीजेपी के साथ गठबंधन करेंगे। जयंत चौधरी इससे पहले विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन का हिस्सा थे और सपा ने रालोद को सात सीटों पर चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था। हालांकि सपा के सिंबल रालोद का और उम्मीदवार सपा के फॉर्मूले से जयंत चौधरी नाराज थे।

कतर में फांसी की सजा पाए.... कम कर दी गई हैं. विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि मामले में विस्तृत फैसले का इंतजार है और वह कतर में कानूनी टीम के साथ निकटता से संपर्क बनाए हुए है।

विदेश मंत्रालय के नवनियुक्त प्रवक्ता जयसवाल ने कहा था कि मामले पर उन्हें कतर की सर्वोच्चतम न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसेशन में अपील करने के लिए 60 दिन का समय मिला है. विदेश मंत्रालय की कानूनी टीम के पास गोपनीय अदालती आदेश भी है जिसमें मौत की सजा को कारावास की शर्तों में बदलने का विवरण दिया गया था. कतर की अदालत ने मौत की सजा को कारावास में बदलने के इस फैसले को 28 दिसंबर 2023 को सुनाया था.

सौ करोड़ से अधिक का.... एपीसीसी अध्यक्ष नियुक्त किया था, जिसे आंध्र प्रदेश में खोई हुई जमीन वापस पाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। राज्य के विभाजन पर जनता के गुस्से के कारण 2014 में आंध्र प्रदेश से कांग्रेस पार्टी का लगभग सफाया हो गया था। 2019 में लगातार दूसरे चुनाव में, कांग्रेस को आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों में कोई फायदा नहीं हुआ।

नीतीश सरकार ने हासिल किया.... नीतीश कुमार ने विधानसभा में कहा कि 2005 में मेरे सत्ता में आने से पहले पहले तेजस्वी के पिता और मां को 15 साल तक काम करने का मौका मिला तो क्या होता था बिहार में।क्या बिहार में शाम में कोई भी आदमी घर से बाहर निकलता था। अब 11-12 बजे रात तक महिलाएं घूमती हैं।उस समय कितनी लड़कियां स्कूल में जाती थी। आज स्कूलों में लड़का और लड़की बराबर है। क्या लालू यादव और राबड़ी देवी के राज में बिहार में कहीं कोई सड़क था, रास्ता था। हमने बिहार की स्थिति को सुधारा। राजद के लोग दावा करते हैं कि उनके साथ मुस्लिम है। लेकिन वे बताएं कि उनके समय कितना हिन्दू मुस्लिम का झगड़ा होता था। हम आए तो कहां गया हिन्दू मुस्लिम झगड़ा। मैंने समाज के हर तबके के उत्थान के लिए काम किया है।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय, छतरपुर म.प्र.

क्रमांक/49 /रूसा / 2024 छतरपुर, दिनांक 06.02.2024

विज्ञप्ति

निविदा सूचना

रूसा परियोजना कॉम्पोनेन्ट 5 के अंतर्गत शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय, छतरपुर हेतु आवंटित राशी से ICT LAB जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय की जाना है। इच्छुक प्रदाय कर्ता फर्म अपनी निविदायें जेम पोर्टल पर जमा कर भाग ले सकते हैं जिसकी विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है:-

क्रं.	बिड नंबर	प्रारंभ तिथि	अंतिम तिथि	सामग्री	मद
1	Bid Number / बोल क्रमांक: GEM/2024/ B/4558642	03.02.2024	22.02.2024	ICT LAB	RUSA

निविदा के सम्बन्ध में अंतिम निर्णय प्राचार्य का होगा।

प्राचार्य

जी-24037/23 **शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय छतरपुर (म.प्र.)**

सहोद्रा राय शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(An ISO 9001:2015 Certified Institution)

Tel No.: 07582-310141 e-mail prinsrgp.sgr@mp.gov.in

visit us: srgpcsagar.in, www.facebook.com/polytechnic.sagar

क्र./शापासा/भंडार / 2024/126 सागर, दिनांक-29.01.2024

निविदा विज्ञप्ति

इस महाविद्यालय में विभिन्न शाखों में अपलिखित सामग्री जैसे फर्नीचर, लैब उपकरण, कंप्यूटर, प्रिंटर, समाचार-पत्र, पुस्तक आदि का विक्रय किया जाना है। अपलिखित सामग्री 'जहां है जैसी है' आधार पर क्रय की जा सकेगी। इच्छुक फर्म/क्रेता महाविद्यालय से संपर्क कर रजिस्ट्रेशन करावे, ताकि अपलिखित सामग्री का विक्रय किया जा सके।

प्राचार्य

जी-24125/23 **स.रा. शास. पॉली. महाविद्यालय सागर**

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल, टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश)

क्रमांक 5810/ निर्वाह/2024 टीकमगढ़ दिनांक 07.02.2024

ई-टेण्डर विज्ञप्ति

(द्वितीय - आमंत्रण)

जिला जेल टीकमगढ़ में परिरूद्ध बंदियों के उपयोग हेतु खाद्यान, सब्जी, विद्युत, एवं अन्य आवश्यक सामग्री के क्रय हेतु वार्षिक निविदायें (ई-टेण्डर) वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर एवं सील बंद लिफाफे में दिनांक 25.02.2024 को सायं 05.30 बजे तक जिला जेल टीकमगढ़ पर आमंत्रित की जाती है ।

कृपया इच्छुक व्यापारीगण संबंधित जेल से निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी कार्यालयीन समय प्रात: 09.15 बजे से 01.00 बजे तक दिनांक 25.02.2024 तक किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते है।

जेल अधीक्षक

जी-24067/23 **जिला जेल टीकमगढ़**

नाम परिवर्तन सूचना

शपथ पत्र

मैं शिव कुमार (SHEO KUMAR) उम्र 63 वर्ष पिताश्री रामनारायण गौतम निवासी- 67 प्राईम एवेन्यू सेज इंटरनेशनल स्कूल के सामने डी के 5 कोलार भोपाल निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि 1. मैं भारतीय सेना नं. 10389365 X हवलदार/क्लर्क के पद से सितम्बर 2001 में महार रेजीमेंटल सेन्टर सागर से सेवानिवृत्त हुआ हूं। 2. यह कि सेना की डिस्चार्ज बुक, आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में मेरी पत्नी का नाम SUNITA GAUTAM दर्ज है। परन्तु रिकार्डस महार रेजीमेंट सीट रोल एवं पेंशन दस्तावेजों में नाम SUNITA दर्ज है। 3. यह कि मेरे पुत्र का नाम ALOK दर्ज है परन्तु आधार कार्ड, पेन कार्ड व अन्य दस्तावेजों में ALOK GAUTAM दर्ज है। 4. यह कि मेरे सैनिक सर्विस रिकार्ड में मेरी पत्नि का नाम सुधार कर SMT. SUNITA GAUTAM एवं पुत्र का नाम ALOK GAUTAM दर्ज किया जावे। 5. यह कि उक्त नाम परिवर्तन से भविष्य में कोई भी समस्या आती है तो उसके लिए मैं स्वयं जबाबदार रहूंगा।

शपथकर्ता- शिव कुमार

निवासी-67 प्राईम एवेन्यू सेज इंटरनेशनल स्कूल के सामने डी के 5 कोलार, भोपाल

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला छतरपुर (म.प्र.)

वार्डन / अधीक्षिकाओं की नियुक्ति संबंधी

विज्ञप्ति

आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक/ समग्र /07 /2023-24 /1040 भोपाल दिनांक 13.06.2023 में संलग्न छात्रावास संचालन मार्गदर्शिका में छात्रावास निर्देश क्रमांक 02 के कंडिका क्रमांक 9 अनुसार जिला अंतर्गत संचालित जिला छतरपुर अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका छात्रावास (सेकेण्डरी एजुकेशन) भगवां, बक्स्वाहा, किशनगढ़, गौरिहार, ईशानगर, चंदला, महाराजपुर, राजनगर एवं राज्य बजट अंतर्गत संचालित जिला स्तरीय उत्कृष्ट बालक एवं बालिका छात्रावास तथा 200 सीटर बालिका छात्रावास छतरपुर, कक्षा 9वीं से 12वीं तक संचालित छात्रावास में वार्डनों / अधीक्षिकाओं का प्रभार 03 वर्ष से अधिक होने पर वार्डन का प्रभार बदलना आवश्यक होने के निर्देश प्रदान किये गये है। उक्त निर्देश के परिपालन में संचालित बालिका छात्रावास हेतु वार्डन / अधीक्षिका पद पर कार्य करने हेतु इच्छुक महिला शिक्षक तथा बालक छात्रावास हेतु इच्छुक पुरूष शिक्षक के आवेदन आमंत्रित किये जाते है ।

आवेदन प्राप्त करने की आरंभ तिथि :-12.02.2024 से

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि:-05.03.2024 सायं 04.00 बजे तक

आवेदन पत्र एवं पद हेतु वांछित योग्यता संबंधी नियम कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी छतरपुर में कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है ।

जी-24052/23 **जिला शिक्षा अधिकारी जिला छतरपुर (म.प्र.)**

टीकमगढ़ जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित

नए हैण्डपंप खनन पर रोक

टीकमगढ़, देशबन्धु। इस वर्ष टीकमगढ़ जिले में अल्प वर्षा होने के कारण आगामी ग्रीष्म ऋतु में पेयजल स्त्रोतों की जल आवक क्षमता घटने की संभावना है जिसके कारण जिले में आगामी ग्रीष्म काल में संकट संभावित है। आम जनता को पेयजल एवं निस्तार हेतु जल-आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु उपाय किया जाना अति आवश्यक हो गया है। इस आशय की सूचना कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग टीकमगढ़ एवं जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा प्रस्तुत की गई है। अत: मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये आम जनता के लिये पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनहित में जल का दुरूपयोग रोकने हेतु प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जाना आवश्यक है। अतएव आगामी वर्षाकाल प्रारंभ होने की कालावधि 15 जुलाई 2024 अथवा पर्याप्त वर्षा होने तक के लिये, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अवधेश शर्मा ने टीकमगढ़ जिले के संपूर्ण क्षेत्र एवं परिसीमा को मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है तथा आदेश दिया है कि कोई भी व्यक्ति टीकमगढ़ जिले की भौगोलिक सीमा के अंदर सक्षम अधिकारी की अनुज्ञा के बगैर किसी भी प्रयोजन के लिये नवीन नलकूप खनन नहीं करेगा। अधिनियम के प्रावधान लागू होने की तिथि से कोई भी व्यक्ति पेयजल स्त्रोत तथा समस्त नदी, नालों, तालाबों बाबड़ियों आदि जल-स्त्रोतों का उपयोग सिंचाई, औद्योगिक अथवा व्यावसायिक प्रयोजन हेतु (जिसमें जिलांतर्गत संचालित समस्त निजी वाहन धुलाई सेंटर भी शामिल है) सक्षम अधिकारी की अनुमति के बगैर पेयजल का दुरूपयोग नहीं करेगा एवं उपलब्ध पेयजल स्त्रोत/हैण्डपंप/नलकूप आदि के 150 मीटर की परिधि में निजी उद्देश्यों के लिये हैण्डपंप अथवा ट्यूबबैल खनन नहीं करेगा। इस दौरान शासकीय विभागों द्वारा लोक हित में पेजयल हेतु नलकूपों का खनन छोड़कर, सभी प्रकार के नलकूपों के खनन प्रतिबंधित रहेंगे। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की लिखित अनुशंसा पर, विशेष परिस्थितियों में व आपात्कालिक स्थिति की दशा में क्षेत्रांतर्गत अनुविभागीय अधिकारी एवं दण्डाधिकारी पेयजल हेतु निजी नलकूप खनन की अनुमति दे सकेंगे। इसके लिये क्षेत्रांतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अधिकृत किया गया है। मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के अधीन पारित आदेष का उल्लंघन पाये जाने पर अधिनियम की धारा के तहत दण्डनीय होगा, जो दो वर्ष तक के कारावास से या 2 हजार रूपये तक के जुर्माने अथवा दोनों से दण्डनीय होगा। यह आदेश 15 जुलाई 2024 अथवा पर्याप्त वर्षा होने तक संपूर्ण टीकमगढ़ जिले में प्रभावशील होगा।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने किया ग्रामो में भ्रमण

एम.डी.ए.अभियान को सफल बनाने के लिए जन चेतना जरूरी: डॉ.वरूण

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर अवधेश शर्मा के निर्देशन में राष्ट्रीय फायलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन अभियान अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभाराम रोशन के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.एम. वरूण द्वारा विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर शालेय छात्र-छात्राओं को फाइलेरिया रोधी दवा कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.वरूण ने शाला हाई स्कूल अनंतपुरा, प्राथमिक पाठशाला वावरी, प्राथमिक शाला ढिमरो कारी, माध्यमिक शाला वर्मातात जतारा, हायर सेकंडरी पठा हायर सेकंडरी बड़ागांव धसान का निरीक्षण किया गया। उन्होंने फाइलेरिया रोधी दवा के इस महत्वपूर्ण अभियान के बारे शिक्षकों को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने शालाओं में पहुंच कर छात्र छात्राओं को दवा सेवन भी स्वयं करवाई गई। फाइलेरिया रोधी सामूहिक दवा सेवन (एम.डी.ए.) कार्यक्रम 10 से 23 फरवरी तक संचालित किया जा रहा है। अभियान में दो बर्ष से कम आयु समूह, गर्भवती माताओं, गंभीर रुप से बीमार व्यक्तियों को दवा नहीं खिलाई जावेगी। छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों से जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने अपील करते हुये कहा कि आप अपने घर में माता पिता भाई बहिनों एवं पड़ोसियों को फाइलेरिया की दवा खिलाने के लिए प्रेरित करें। एक साथ दवा सेवन से हम फाइलेरिया जैसी ला ईलाज बीमारी से जिले को मुक्त कर सकते हैं

चचेरे देवर ने महिला के साथ किया मारपीट का प्रयास

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिहारीपुरा में महिला के साथ उसके चचेरे देवर ने झगड़ा किया व मारने पीटने को तैयार हो गया। महिला पूजा पत्नी छोटेलाल अहिरवार निवासी बिहारीपुरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट के अनुसार सोमवार की सुबह करीब 11 बजे महिला अपने घर पर थी, तभी चचेरा देवर सोनू अहिरवार आया और महिला से झगड़ा करने लगा। महिला ने झगड़ा करने से मना किया तो वह मारने पीटने को तैयार हो गया। महिला ने इस विवाद की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट पर जांच शुरू कर दी है।

रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला शव

बल्देवगढ़, देशबन्धु। मजना पुलिस चौकी अंतर्गत रेलवे ट्रैक कटेरा के पास अज्ञात युवक का शव मिला है। मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर बल्देवगढ़ पुलिस ने पहुंच कर प्राथमिक जांच के बाद मृतक के शव को बल्देवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। शिनाख्त ना होने के कारण अज्ञात मृतक के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरचुरी में रखवाया गया है।

मुख्य मार्ग के टूटे जालों से दुर्घटना की आशंका

जतारा, देशबन्धु। नगर के मुख्य मार्ग पर वाहन चालकों को अब वाहन चलाते समय सावधान हो जाना चाहिए, कही आप यात्रा करते समय हादसे का शिकार ना हो जाए। नगर के मुख्य मार्ग पर नाली के जाल टूटे हुए हैं और नाली खुली हुई है, जिससे कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। बताते चलें कि नगर के मुख्य बाजार में रेस्ट हाउस चौराहे के पास मार्ग पर लगा लोहे के जाल टूटे हुए हैं और वहां से सैकड़ों वाहन चालकों का प्रतिदिन आना जाना लगा हुआ हैए। लेकिन यहां पर नगर परिषद के अधिकारी कर्मचारी का कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं, जबकि लोगों के द्वारा इस संबंध में कई बार अवगत कराया गया है। हालात यह है कि लापरवाही के चलते कई दिनों से जाल टूटे होने के बाद भी रखरखाव नहीं किया गया है। जिससे वाहन चालकों के साथ ही पैदल चलने वाले लोग परेशान हो रहे हैं।

रामलीला में रावण का किरदार निभाने वाले युवक की हृदयाघात से मौत

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बछोड़ा चैनपुरा में स्थित सिद्ध क्षेत्र मड़िया बाबा मंदिर प्रांगण में महायज्ञ, भागवत कथा, संत सम्मेलन, रामलीला एवं विशाल मेला का आयोजन दिनांक 2 फरवरी से 10 फरवरी तक आयोजन किया जा रहा था। इस धार्मिक अनुष्ठान के अंतर्गत प्रांगण में रात के समय रामलीला का आयोजन किया जाता था। 10 फरवरी की रात करीब 2 बजे रामलीला आयोजन के बाद रावण का किरदार निभा रहे व्यक्ति को सीने में अचानक दर्द होने लगा। स्थानीय लोग निजी वाहन से जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लोगों ने बताया कि रामलीला के आयोजन में उन्होंने रावण का शानदार अभिनय कर किरदार निभाया था। ग्राम पंचायत रतनगुवां के रोजगार सहायक सुरेन्द्र सिंह गौर ने बताया कि रावण का किरदार निभाने वाले मेरे जीजा हैं। सरपंच प्रतिनिधि सुरेन्द्र यादव एवं अन्य लोग उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने बताया है कि शनिवार की रात को रामलीला के आयोजन का आखिरी दिन था। इसी रात को रामलीला आयोजन के बाद करीब दो बजे रामलीला का समापन किया गया। समापन के बाद रावण का किरदार निभा रहे भोले सिंह ठाकुर निवासी खिसनी कमरे में जाकर जब परिधान बदल रहे थे, उसी समय उनको अचानक सीने में दर्द होने लगा। कुछ समय में दर्द बढ़ने लगा तो स्थानीय लोग उनको निजी वाहन से जिला अस्पताल लेकर जाने लगे। ग्राम बर्मातात व बावरी के पास वह बेहोशी की हालत में हो गए। जिला अस्पताल के डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। वहां से उनके मृत शरीर को उनके गांव खिसनी में लाया गया। जहां अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान उनके शरीर में पसीना आने पर उनके परिजन निवाड़ी अस्पताल में ले गए, जहां पर डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। उनका अंतिम संस्कार रविवार की दोपहर करीब 3 बजे उनके गांव खिसनी में किया गया।

परीक्षा केंद्रों का तहसीलदार व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने किया निरीक्षण

दिगौड़ा, देशबन्धु। हायर सेकेंडरी स्कूल व शासकीय कन्या हाईस्कूल दिगौड़ा में सोमवार 12 फरवरी को वार्षिक परीक्षा आयोजित की गई। आज कक्षा 12वीं के छात्रों के द्वारा भौतिक विज्ञान व अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा दी गई। दोनों परीक्षा केंद्रों पर वार्षिक परीक्षा शांतिपूर्वक तरीके से आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान हायर सेकंडरी स्कूल व कन्या हाई स्कूल में आज जतारा बीईओ एमपी खरे द्वारा निरीक्षण किया गया। इसके अलावा कन्या हाई स्कूल में लिधौरा तहसीलदार अजय झां द्वारा निरीक्षण किया गया। दोनों परीक्षा केंद्रों पर नकल प्रकरण का कोई भी मामला दर्ज नहीं हुआ। हायर सेकंडरी स्कूल दिगौड़ा परीक्षा केंद्र केंद्राध्यक्ष आर के राय ने बताया कि कक्षा 12वीं के भौतिक विज्ञान व अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा में आज कुल 89 छात्रों में 89 छात्र उपस्थित रहे, आज कोई छात्र अनुपस्थित नहीं रहा। वहीं कन्या हाई स्कूल दिगौड़ा परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष सी बी कुशवाहा ने बताया है कि कक्षा 12वीं के भौतिक विज्ञान व अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा में कुल 256 छात्रों में 251 छात्र उपस्थित हुए जबकि 5 छात्र अनुपस्थित रहे। दोनों परीक्षा केंद्रों पर पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही।

ब्रेन हैमरेज से वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र सोनी का निधन

टीकमगढ़, देशबन्धु। शहर के जान माने पत्रकार व सर्राफा व्यवसायी राजेन्द्र सोनी का सोमवार को ब्रेन हैमरेज से दुखद निधन हो गया। श्री सोनी छोटी देवीजी मंदिर के पास निवासरत थे और वे टीकमगढ़ से प्रकाशित कुण्डेश्वर टाईम्स समाचार पत्र के प्रधान संपादक होने के साथ ही सर्राफा व्यवायी भी थे। सोमवार की दोपहर जैसे ही मीडियाकर्मियों, सर्राफा व्यवसायियों सहित अन्य लोगों को उनके निधन की खबर मिली तो उनके निधन पर गहर शोक जताया गया। श्री सोनी के दुखद निधन पर जिले के पत्रकारों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। गौरतलब है कि श्री सोनी के परिवार में अब एक पुत्र व एक पुत्री है तथा उनकी पत्नि का देहांत कुछ समय पूर्व हो चुका था।

लापरवाह शिक्षकों को थमाए कारण बताओ नोटिस

टीकमगढ़, देशबन्धु। शिक्षकों के अनुपस्थित होने को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताओ नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही अनुपस्थिति दिनांकों पर वेतन रोकने के लिए भी कहा है। जिला शिक्षा अधिकारी आईएल आठ्या ने सुखलाल सौर प्राथमिक शिक्षक ढिमरौला बरेठी को भेजे पत्र में कहा है कि आप बिना सूचना 21 दिसंबर 2023 से 17 जनवरी 2024 को अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थिति दिनांकों का वेतन रोका जाए। इसके साथ ही सहायक अध्यापक उमाशंकर शर्मा, माध्यमिक शिक्षक आशीष शर्मा, दीपक शुक्ला, सत्यपाल सिंह तोमर, आरती प्रजापति के नाम शामिल हैंज इसके अलावा प्रधान अध्यापक व रामप्रसाद सहरिया, सहायक शिक्षक प्रमोद कुमार कोरकू, शिवेंद्र द्विवेदी, महेश प्रसाद शर्मा, पीएन मालवीय, मुस्कान जैन और कमला आदिवासी को भी नोटिस दिया गया है।

घर में अकेला देख महिला से किया दुष्कर्म

परिजनों से संबंध के चलते घर आता था आरोपी पुलिस ने किया मामला दर्ज

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया गया है कि आरोपी युवक ने पीड़िता के परिजनों से संबंध बनाए और उसके घर आने जाने लगा। शनिवार की सुबह 6 बजे महिला को घर पर अकेला देख आरोपी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित महिला ने अपने परिजनों के साथ पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने उत्तरप्रदेश निवासी आरोपी पर मामला दर्ज किया। घटना के संबंध में थाना प्रभारी नीरज लोधी ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत 10 फरवरी की सुबह करीब 6 बजे पीड़िता अपने घर पर अकेली थी, पति खेत पर काम करने के लिए गया था। आरोपी युवक ने पीड़िता के घर पर पहुंच कर देखा कि महिला घर पर अकेली है। मौके को देखते हुए उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने की घटना को अंजाम दिया। आरोपी युवक की पीड़िता के परिजनों से पहले से जान पहचान थी, पीड़िता के घर पर आता जाता रहता था। पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी दीपू परिहार निवासी बिक्रमपुरा थाना टोड़ी फतेहपुर जिला झांसी के खिलाफ दुष्कर्म करने के आरोप में धारा 450, 376, 506 के तहत मामला दर्ज किया है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चल रही बोर्ड परीक्षा

जतारा, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड भोपाल की हाई सेकेंडरी की परीक्षाओं में भौतिक शास्त्र विषय का पेपर संपन्न कराया गया। परीक्षार्थी सुबह 830 बजे परीक्षा केंद्रों पर छात्र छात्रों पहुंचने लगे थे और परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए जाने को केंद्र अध्यक्ष से लेकर पर्यवेक्षक द्वारा मुख्य गेट पर ही परीक्षार्थियों की तलाशी ली गई। उसके बाद उन्हें कक्षाओं में प्रवेश दिया गया। उसके बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कलेक्टर के द्वारा नियुक्त किए गए प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पेपर खुले और उसके बाद छात्रों को वितरण किए गए। परीक्षा केंद्र के बाहर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी तैनात रहे तो वहीं परीक्षा केंद्र की निगरानी करने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों की जो टीम गठित की गई है उनके द्वारा लगातार जतारा नगर के सीएम राइज विद्यालय, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बमोरी कला के सीएम राइज विद्यालय, शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया। जहां पर शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं और बोर्ड परीक्षाओं को शासन के नियम अनुसार आयोजित कराया जा रहा है।

बीती रात 3 विद्युत मोटरों को चोरी कर ले गए अज्ञात चोर

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मझगुवां व नादिया में बीती रात को कुएं में डली हुई विद्युत मोटरों के चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। दोनों फरियादियों ने पुलिस थाने में चोरी की घटना का आवेदन दिया है।फरियादी अजय सिंह यादव निवासी खेरा ने बताया है कि मेरा खेत ग्राम मझगुवां में है जो दिगौ?ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। मेरे खेत के कुएं में विद्युत मोटर डली थी। आज सुबह जब मैं खेत पर पहुंचा तो कुएं में डली मोटर नहीं मिली। आसपास तलाश किया तो मोटर की कोई जानकारी नहीं मिली। कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरे कुएं से मोटर की चोरी कर ले गया है। फरियादी सोहन अहिरवार निवासी नादिया सकरया ने बताया है कि मेरे खेत के कुएं में दो विद्युत मोटर डली थीं। आज सुबह जब खेत पर पहुंचा तो कुएं में डली मोटरें नहीं मिली। आसपास तलाश किया तो मोटरें तो नहीं मिलीए लेकिन मोटर में लगे हुए पाइप एक व्यक्ति के खेत में पाए गए। फरियादी ने बताया है कि ग्राम विघा के 4 लोगों पर मुझे मोटर चोरी करने का शक है।

जमीन के विवाद को लेकर 2 लोगों में झगड़ा

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना अंतर्गत ग्राम मऊ बुजुर्ग में जमीनी विवाद पर गांव के दो लोगों में झगड़ा हो गया। पुलिस थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराए जाने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मऊ बुजुर्ग में सुबह करीब 10 बजे फरियादी जाहर सिंह घोष के साथ गांव के शेर सिंह घोष ने जमीन के विवाद पर झगड़ा करने लगा। फरियादी ने झगड़ा करने से मना किया तो वह मारपीट करने को तैयार हो गया। फरियादी जाहर सिंह ने घटना की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज कराई है।

रेत व पत्थर का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर ट्राली जप्त

टीकमगढ़, देशबन्धु। खनिज विभाग द्वारा कलेक्टर अवधेश शर्मा के निर्देश के पालन में खनिज के अवैध उत्खनन तथा परिवहन पर कार्यवाही की जा रही है। जिसको लेकर सोमवार की सुबह खनिज अमले द्वारा गोपनीय तरीके से दिगौड़ा के आसपास आकस्मिक जांच की गई। जिसमें 1 ट्रैक्टर ट्राली फार्मट्रेक को खनिज बोल्डर का अवैध परिवहन करते पकड़ा गया। वाहन चालक शिवराज पिता जब्लू कुशवाहा निवासी धामना द्वारा बताया गया कि उक्त ट्रैक्टर के मालिक शीलेंद्र राजा बुंदेला निवासी धामना का है। वाहन चालक द्वारा मौके पर कोई अभिवाहन पास प्रस्तुत नहीं किया गया। वाहन को सहायक खनिज अधिकारी द्वारा जप्त कर पुलिस अभिरक्षा थाना दिगोड़ा में रखा गया। इसके पश्चात जांच में पुन: एक ट्रैक्टर ट्रॉली रेत खनिज का बिना अभिवाहन पास अवैध परिवहन करते पकड़ा गया। मौके पर वाहन चालक संजू प्रताप वृंदावन लोहार निवासी सैराई द्वारा खनिज अमले को देखकर ट्रैक्टर ट्राली को लिधौरा रोड पर तेजी से भगाया गया। परंतु खनिज अमले द्वारा लगभग 2 किलोमीटर पीछा करके ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा गया। वाहन चालक द्वारा बताया गया कि उक्त वाहन के मालिक गजेंद्र ठाकुर निवासी सैराई है। उक्त दोनों वाहनों के अवैध परिवहन प्रकरण तैयार कर निराकरण हेतु कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। खनिज अमले मे सहायक खनिज अधिकारी कुलदीप जैन, सिपाही महेंद्र बुंदेला, पुष्पेंद्र खरे तथा ड्राइवर राजेश चढार शामिल रहे।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

मुख्य बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने समिति की आवश्यकता पर दिया जोर

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर अवधेश शर्मा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक रोहित काषवानी की उपस्थिति में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नवीत कुमार धुर्वे, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, एएसपी सीताराम ससत्या, एसडीएम जतारा लोकेन्द्र सिंह सरल, एसडीएम टीकमगढ़ संजय कुमार दुबे, एसडीएम बल्देवगढ़ विजय कुमार सेन, सीएमएचओ डॉ. पीके माहौर, डीपीसी आरके त्रिपाठी, उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास अशोक कुमार शर्मा, जिला योजना अधिकारी रामबाबू गुप्ता, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. ऋजुता चौहान, पीओडूडा सुश्री शिवि उपाध्याय, लोकसेवा प्रबंधक अमन गोयल, यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक कैलाश पटेल, सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि बैठक में टीकमगढ़ शहर में चलने वाले आटो हेतु आटो स्टेण्ड चिन्हांकन किये जाने की कार्यवाही की जाये। टीकमगढ़ शहर के हाथ ठेला, चाट, फ्रूट ठेला आदि हेतु हॉकर जोन निर्धारण के संबंध में लंबित कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करायें। टीकमगढ़ शहर कोतवाली तिराहा एवं मिश्रा तिराहा के पार्क का पुर्न विकास कर वाहन निकास हेतु बॉयों मोड उपलब्ध करायी जाये। टीकमगढ़ शहर अम्बेडकर चौराहे से नया बस स्टेण्ड के बीच के मार्ग की मरम्मत की जाये। टीकमगढ़ शहर सागर बायपास रोड पर प्रकाश एवं रोड मार्किंग, साईन बोर्ड आदि का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाये। टीकमगढ़ शहर के अंबेडकर चौराहा एवं अस्पताल चौराहे को मॉडल चौराहा बनाया जाना इस हेतु सोलर टेऊफिक सिगनल एवं रोड इंजिनयरिंग की सहायता से विकास किया जाये। सीसीटीवी सर्विलांस कैमरे के अच्छे कवरेज हेतु संबंधित स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था ठीक किया जाना सुनश्चित किया जाये। बैठक में बताया कि जतारा कस्बे में बायपास मार्ग का निर्माण हो चुका है। मुख्य बाजार की सड़क के दोनों ओर से सभी प्रकार के माल वाहक यान एवं यात्री बस का आवागमन प्रात: 8 बजे से रात्रि 9 बजे तक प्रतिबंधित किया जाये। बैठक में निर्णय लिया गया कि मिश्रा तिराहे, कोतवाली के गेट के बाई ओर, नजाई मंडी को आगामी समय में विकसित कर मल्टीस्टोरी पार्किंग बनाई जाये, जिससे व्यापरियों एवं ग्राहकों के बाहनों को पार्किंग आगामी समय में उपलब्ध कराई जा सकेगी। नजाई मण्डी को स्थानांतरित कर ढोगा ग्राउण्ड अथवा अनाज मंडी में स्थानातरित किया जाये। शहर के मुख्य मार्ग, जिनमें मीडियन डिवाईडर बने हुए हैं पर कम दूरी पर अधिक कट होने से दुर्घटना होने की स्थिति में जिला पुलिस टीकमगढ़ के द्वारा ऐसे कट प्वाईंट को बैरिकेट लगाकर बंद किया जाये, जिससे वाहन दुर्घटनाओं को नियंत्रित करनें में सफ्लता मिले। बैठक में निर्णय लिया गया कि ई-रिक्शों की संख्या अधिक वृद्धि हुई है जिनके सस्पेंशन के अनुसार मागों के सुव्यवस्थित मरम्मत किये जाने की आवश्यकता है जिससे ई-रिक्शों के पलटने की संभावना को शून्य किया जा सके। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य मार्गों पर रोड मार्किग, केट आई, सोलर स्टड, ट्री-रिफ्लेक्टर स्पीड ब्रेकर आदि लगाये जायें, ताकि मोटर सायकिल चालकों के आवागन को सुरक्षित किया जा सके। नया बस स्टैण्ड से धजरई तिराहा एवं कलेक्ट्रेट से कारी तिराहा तक मुख्य मार्ग को दो गुना चौड़ा किया जाना प्रस्तावित है, जिससे जन हानि को रोका जा सके व यातायात दबाब को कम किया जा सके। मुख्य बाजार को अतिक्रमण से मुक्त रखनें हेतु नगरीय निकाय लोक निर्माण विभाग, कार्यपालिका की संयुक्त समिति गठित किये जानें की तात्कालिक आवश्यकता है, जिससे बाजार को व्यस्थित बनाये रखा जा सकेगा व आवागमन सुगम हो सकेगा।

पुलिस घटनास्थल पर प्राप्त साक्ष्यों को परीक्षण के लिए भेजेगी

आग तापते समय हाथ से गिरे सुतली बम, विस्फोट से 2 युवक गंभीर घायल

दमोह देशबन्धु। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत नरसिंहगढ़ चौकी के समीप आग तापते समय हाथ से सुतली बम आग में गिर जाने पर विस्फोट से दो युवकों के बुरी तरह घायल हो जाने की घटना सामने आयी है जिन्हें इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहगढ़ तिल्लूझिरिया इलाके में निवासी आकाश पिता गुट्ठे आदिवासी उम्र 27 वर्ष और ओमकार पिता राजू अहिरवार निवासी नरसिंहगढ़ घायल हो गए। जिनका इलाज जिला अस्पताल में ड्यूटी रत डाक्टरों द्वारा किया गया। वहीं पुलिस चौकी प्रभारी प्रसीता कुर्सी का कहना है कि प्री एमएलसी और घटनास्थल पर प्राप्त साक्ष्यों को परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है, रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

परीक्षा केंद्र तेजगढ़ में नकल करते पकड़ा गया छात्र

दमोह देशबन्धु। हायर सेकेंडरी सर्टिफिक्रेट परीक्षा 2024 के अंतर्गत भौतिक एवं अर्थशास्त्र के प्रश्न पत्र के दौरान परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेजगढ़ में एक छात्र नकल करते हुए पकड़ा गया, जिसका निरीक्षण दल के सदस्य डीपीसी मुकेश द्विवेदी व सहायक परियोजना समन्वयक मोहन राय ने नकल प्रकरण फॉर्म भरते हुए केंद्र अध्यक्ष को सख्त निर्देश दिए की विद्यार्थियों की कक्ष में प्रवेश के पूर्व गहन तलाशी ली जाये। परीक्षा के दौरान केंद्र पर 406 बच्चे पंजीकृत थे जिनमें से 403 बच्चे परीक्षा में सम्मिलित रहे। तीन विद्यार्थी अनुपस्थित थे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजोरा खमरिया में एक छात्र नकल करते हुए पकड़ा गया

कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा गठित उड़न दस्ता दल लगातार परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर रहे हैं। इसी क्रम में उड़न दस्ता दल को परीक्षा केंद्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजोरा खमरिया में अर्थशास्त्र के प्रश्न पत्र के दौरान एक छात्र नकल करते हुए पकड़ा गया। उड़न दस्ता दल के सदस्यों मुकेश द्विवेदी एवं मोहन राय ने नकल प्रकरण तैयार करते हुए प्रकरण पंजीबद्ध किया हैं।

पीजी कॉलेज ईको क्लब ने किया विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

दमोह देशबन्धु। पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय नई दिल्ली तथा पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) भोपाल (मध्य प्रदेश) के निर्देशानुसार पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के तहत युवाओं एवं जनमानस में पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाने के लिए जनजागरूकता गतिविधि के अंतर्गत ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह के ईको क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के चलित एवं स्थिर मॉडल बनाकर पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृतिनुरूप जीवन शैली अपनाने का सन्देश दिया गया। मॉडल प्रदर्शनी को जज करने एवं विषय विशेषज्ञ के रुप में डॉ. किरण दुबे (रिटायर प्रोफ़ेसर रसायन शास्त्र) ने मार्ग दर्शन प्रदान कर परिणाम घोषित किए। विद्यार्थियों ने विभिन्न मॉडल के माध्यम से वनों, वन अधारित उद्योगों एवं वन्य जीवों का महत्व समझाया।

चलित मॉडल में रोहित चौरसिया (एसिड रैन) प्रथम, ओमशंकर अहिरवार (सोलर सिस्टम) द्वितीय, योगेश चौहान (वॉटर ट्रीटमेंट) ने तृतीय तथा स्थिर मॉडल में अंकित मुंडा प्रथम, कृष्णकांत लोधी ग्रुप द्वितीय एवं नर्मदा बाई लोधी ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्रदर्शनी का आयोजन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. इंदिरा जैन के

दिशा-निर्देश एवं ईको क्लब प्रभारी डॉ. मीरा माधुरी महंत के नेतृत्व में महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. आर.के. व्यास, डॉ. आलोक कुमार जैन, डॉ. सविता जैन, डॉ. इन्द्रजीत कौर भट्टी, डॉ.एन पद्मा कुमार, डॉ. ममता अवस्थी, पी.जी. कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ.के. के. कोरी, डॉ. आर.पी.अहरवाल, डॉ. कुंवर सिंह बामनिया, डॉ.एन. आर. सुमन, डॉ. जितेन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. इरफान खान, मनीष साहू, सरिता सोनी, डॉ. प्रियंका चौहान, डॉ. भगवान दास रैकवार, रामसिया साकेत, डॉ. आशाराम यादव एवं धीरज जॉनसन के विशेष सहयोग से किया गया।

24 को समाधान आपके द्वार शिविर में राजीनामा योग्य मामलों का होगा एक साथ निराकरण

दमोह देशबन्धु। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेणुका कंचन के निर्देशन एवं जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बुज पाण्डेय के मार्गदर्शन में समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत 24 फरवरी 2024 को लोक अदालत शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिला न्यायाधीश अम्बुज पाण्डेय द्वारा लोक समाधान आपके द्वार लोक अदालत शिविर को सफल बनाने के उद्देश्य से सभी विभागों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाकर प्रशिक्षण दिया गया एवं आने वाली समस्याओं का जायजा लिया एवं आमजन तक इस शिविर की पहुंच हो सके इस हेतु पैरालीगल वालेंटियर्स एवं शिविर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने 24 फरवरी 2024 को आयोजित होने वाले लोक अदालत शिविर के सफल आयोजन हेतु संबंधित विभागों के अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों को उक्त शिविर में निराकृत कराये जाने के साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह से संपर्क किये जाने हेतु कहा गया। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने बताया कि राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, वन विभाग, विद्युत विभाग, नगरीय निकाय विभागों से संबंधित विवादों/शिकायतों का निराकरण उक्त दिनांक को संबंधित विभागों में किया जायेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपनी समस्याओं का निराकरण समाधान आपके द्वार शिविर के माध्यम से किये जाने हेतु आग्रह किया है।

नई आबकारी नीति के संबंध में बैठक हुई

पन्ना, देशबन्धु। मप्र शासन द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नयी आबकारी नीति मप्र राजपत्र में प्रकाशित कर दी गयी है। आगामी वित्तीय वर्ष में आबकारी नीति के अनुसार जिले में शराब दुकान समूहों के निष्पादन हेतु जिला आबकारी अधिकारी भगवान सिंह परिहार द्वारा जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में वर्तमान लाइसेंसियों एवं उनके प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गयी। आबकारी उप निरीक्षक मुकेश पाण्डेय ने जानकारी देते हुये बताया कि इस बैठक में जिला आबकारी अधिकारी द्वारा वर्तमान लाइसेंसियों को नयी आबकारी नीति के बारे जानकारी दी गयी। वर्तमान नीति और नयी नीति के परिवर्तन बताये गये। नयी नीति में शराब दुकान समूह के वर्तमान वार्षिक मूल्य में 15 प्रतिशत की वृद्धि कर वर्तमान लाइसेंसियों को ही नवीनीकरण का अवसर दिया गया है। हालांकि नवीनीकरण के लिए संपूर्ण जिले के वार्षिक मूल्य का 75 प्रतिशत मूल्य होना आवश्यक है। यदि वर्तमान लाइसेंसी नवीनीकरण नहीं कराना चाहता है, तो उसके समूह को 15 प्रतिशत बढ़े हुए मूल्य पर लॉटरी के लिये प्रस्तावित किया जायेगा। लॉटरी में कोई भी इच्छुक व्यक्ति उस समूह के लिए लॉटरी फॉर्म डाल सकेगा। यदि एक से अधिक लॉटरीकर्ता होंगे तो जिला समिति के समक्ष लॉटरी की प्रक्रिया से सफल निविदा का चयन किया जाएगा।

नवीनीकरण एवं लॉटरी के बाद भी यदि जिले में कोई शराब दुकान समूह निष्पादन के लिए शेष बचता है, तो उक्त समूहों के लिए ई.टेंडर के माध्यम से निविदाये मगाई जाएंगी। शासन के निर्देशानुसार ई.टेंडर से शेष समूहों का निष्पादन किया जाएगा। पिछले पांच वर्षों से लगातार नवीनीकरण के माध्यम से शराब दुकानों का निष्पादन हो रहा है। जिले में 16 समूहों में 42 मदिरा दुकानें है, जिनका वर्तमान वार्षिक मूल्य लगभग 120 करोड़ है। नवीनीकरण होने पर 15 प्रतिशत की वृद्धि होने पर वार्षिक मूल्य लगभग 138 करोड़ हो जायेगा। जिले में 42 शराब दुकानों के अलावा अजयगढ़ में स्थित एकमात्र भांग दुकान का भी निष्पादन होना है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में अवकाश दिवस सहित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय, संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन, इंद्रपुरी कॉलोनी पन्ना में संपर्क किया जा सकता है। बैठक में नवनियुक्त आबकारी उप निरीक्षक हरीश पाण्डेय, सुधीर दिनकर सहित मुख्य लिपिक नाथूराम सौर, लिपिक अरुण चौरसिया, लाइसेंसियों प्रतिनिधियों में सुरेश शर्मा, प्रदीप राय, शिवविलास तिवारी, पीयूष सिंह, मोनू राय आदि उपस्थित रहे।

दमोह जनपद के सरपंच लाम बंद होकर ज्ञापन देने पहुंचे

दमोह देशबन्धु। जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायतों के विल का भुगतान नहीं हो रहा है इस कारण 3 माह से मजदूर परेशान हो रहे हैं,दमोह जनपद के सभी सरपंच लामबंद होकर जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा के पास पहुंचे जहां उन्होंने अपनी मांग रखी। जिसके बाद जिला पंचायत सीइओ ने कहा कि मनरेगा के तहत गड़बड़ होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है शीघ्र ही रेशियो मेंटेन होने के बाद पेमेंट कराया जाएगा।

16 को भव्यता के साथ शुरू होगा बुंदेली महोत्सव

दमोह देशबन्धु। बुंदेली गौरव न्यास द्वारा वर्ष 2012 से निरंतर आयोजित किए जाने वाले बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन इस वर्ष पुन: किया जा रहा है इस संबंध में बुंदेली गौरव न्यास द्वारा पत्रकार वार्ता का आयोजन महोत्सव परिसर तहसील मैदान में आयोजित की गई। जिसमें महोत्सव संबंधी विभिन्न जानकारियां दी गई। न्यास अध्यक्ष अंबालाल पटेल ने कहा कि बुंदेली दमोह महोत्सव दमोह जिले वासियों के लिए एक मंच प्रदान करता है कि वह अपनी विभिन्न प्रकार की कलाओं का प्रदर्शन कर सके साथ ही मनोरंजन के साधन भी पर्याप्त रूप में महोत्सव में रहते हैं। सचिव प्रभात सेठ ने कहा कि बुंदेली गौरव न्यास द्वारा आयोजित बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन इस वर्ष 16 फरवरी से 27 फरवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्षों की अपेक्षा इस बार महोत्सव को और बेहतर बनाने का प्रयास न्यास द्वारा किया जा रहा है। पिछले वर्षों की अपेक्षा दमोह के लोगों के लिए अधिक साधन मिलेंगे चाहे वह मनोरंजन हो, विभिन्न प्रकार के झूले,

खान-पान या व्यापार। इस बार महोत्सव में अभी तक अधिकांश स्टॉल बुक हो चुके हैं और महोत्सव की शुरुआत होने के पूर्व बाकी स्टॉल भी भर जाएंगे। मंचीय कार्यक्रम में नृत्यश्री, वाद्य श्री, स्वर श्री जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं खेल महोत्सव जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे, साथ ही और सुझाव आने पर महोत्सव को और बेहतर बनाने का प्रयास रहेगा। पत्रकार वार्ता में बुंदेली गौरव न्यास से अध्यक्ष अंबालाल पटेल, सचिव प्रभास सेठ, विवेक शेंडेय, रमन खत्री, मनीष तिवारी, संतोष रोहित, देवेंद्र राजपूत, अभिलाष मिंटू हजारी, योगेश संगतानी, मोनू राजपूत, संजू यादव, नीलेश सिंघई राजू नामदेव, राजीव अयाची, दिनेश प्यासी, कमल करोसिया, अजय मसीह, मोंटी रैकवार, टोनी राय, धर्मेंद्र रोहित, अमित वर्मा, मयंक वाधवा, अमित जैन, विकास जैन ब्रज सेन गौरव चौराहा एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

पन्ना, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग की टीम ने गत रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस पहुंचकर ईवीएम एवं वीवीपीएटी मशीन के एफएलसी कार्य का जायजा लिया। टीम के सदस्य अवर सचिव राकेश कुमार एवं तकनीकी प्रबंधक सुश्री पूर्वी ने गुणवत्ता जांच के अलावा मशीनों के भंडारण और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं तथा सुरक्षात्मक मापदंड की जानकारी भी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही एफएलसी के सभी प्रपत्र, अनुलग्नक, पंजियों का अवलोकन कर एफएलसी के सभी मापदण्डों की समस्याओं का समाधान भी किया। इस मौके पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलांबर मिश्र सहित एसडीएम अशोक अवस्थी, संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम भी उपस्थित रहे।

एनसीसी प्रमाणपत्र धारक को सभी क्षेत्रों में सीधी भर्ती का अवसर: कर्नल बलहारा

दमोह देशबन्धु। एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह में 11 एमपी बटालियन एनसीसी सागर के कमान अधिकारी कर्नल अरुण बलहारा द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर एकलव्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. सुधा मलैया, प्रति कुलाधिपति पूजा मलैया, रति मलैया ने कमान अधिकारी के दौरे का स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार जैन, कुलसचिव डॉ. प्रफुल्ल शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. शैलेन्द्र जैन, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. अर्चना पाठक, एनसीसी केयर टेकर अधिकारी डॉ. हृदय नारायण तिवारी, पी आई स्टाफ साहिल कुर्मी एवम एनसीसी कैडेट्स द्वारा कमान अधिकारी कर्नल अरुण बलहारा की अगुवाई कर उनका स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार जैन एवम एनसीसी केयर टेकर अधिकारी डॉ. हृदय नारायण

तिवारी द्वारा पौधा देकर कमान अधिकारी का स्वागत किया गया। विजिट के दौरान कमान अधिकारी कर्नल अरुण बलहारा ने एनसीसी ऑफिस एवम एनसीसी के क्लास रूम का निरीक्षण किया साथ ही एनसीसी कैडेट्स को जानकारी देते हुए एनसीसी के लाभ बताए। कमान अधिकारी ने एनसीसी के फायदे बताते हुए कहा कि एनसीसी सी प्रमाणपत्र धारक कैडेट्स को सेना के सभी टुकड़ियों में सीधी भर्ती के अतिरिक्त अन्य शासकीय क्षेत्रों की भर्तियों में भी प्राथमिकता दी जाती है। साथ ही सभी कैडेट्स को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए एनसीसी के ध्येय वाक्य ष्एकता और अनुशासनष् को व्यावहारिक जीवन में पालन करने की बात कही। इस अवसर पर एकलव्य विश्वविद्यालय एनसीसी के केयर टेकर अधिकारी डॉ. हृदय नारायण तिवारी, एनसीसी पी आई स्टाफ श्री साहिल कुर्मी के साथ ही सभी एनसीसी कैडेट्स की उपस्थिति रहे एवम सभी कैडेट्स ने कमान अधिकारी द्वारा बताए गए सभी निर्देशों का शब्दस: पालन करने का संकल्प लिया।

22 को महिला रोजगार मेला एवं 23 फरवरी को मेगा रोजगार मेला होगा आयोजित

दमोह देशबन्धु। आकांक्षी जिले दमोह में संकल्प योजनान्तर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, पालीटेकनिक महाविद्यालय सहित आई. टी. आई में साप्ताहिक कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम शासकीय आई. टी.आई दमोह द्वारा आयोजित किया गया, जिसमे 867 पुरुष एवं 1049 महिलाओं को व्यक्तिगत एवं सामूहिक परामर्श सत्र आयोजित कर कैरियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया ज्ञातव्य है शासकीय आई. टी. आई. दमोह में 22 फ़रवरी 2024 को विशेष महिला रोजगार मेला एवं 23 फ़रवरी 2024 को मेगा रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा, जिसमें 20 कंपनीज द्वारा लगभग 3350 वेकेंसी में इंटरव्यू के माध्यम से डायरेक्ट रोजगार प्रदान किया जायेगा ।

अवैध रुप से रेत परिवहन करने वाले ट्रैक्टरों पर यातायात विभाग ने की कार्रवाई

पन्ना, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक नीलम लक्षकार द्वारा पुलिस टीम के साथ शहर में अवैध रुप से ट्राली में रेत परिवहन करने वाले ट्रैक्टरों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही के साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के प्रति चालानी कार्यवाही की गयी। जिसमें तीन ट्रैक्टर चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही कर नौ हजार रुपये जुर्माना वसूला गया एवं दो ट्रैक्टर अवैध रुप से रेत परिवहन करते पाये गये जिनको मौके पर रेत परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर जप्त कर सुरक्षार्थ थाना परिसर में रखा गया एवं अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन तैयार कर खनिज कार्यालय को भेजा गया है। सम्पूर्ण चालानी कार्यवाही के दौरान कुल बाईस वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर सत्रह हजार चार सौ रूपये समन शुल्क वसूल किया गया। सम्पूर्ण चालानी कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक नीलम लक्षकार, महेश तिवारी, कमलेश सिंह सहित अन्य स्टाप शामिल रहा।

श्रीहरि विष्णु ने नरसिंह अवतार लेकर दैत्यों के राजा हिरण्यकश्यपु का वध किया था: पं. शास्त्री

दमोह देशबन्धु। ग्राम राजाबन्दी पटेरा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस में कथा के मुख्य श्रोता सुशीला पटैल रामसहाय पटैल रेवती पटैल जीवन पटेल के द्वारा भागवत का पूजन कर आरती उतारी जिसके बाद कथावाचक आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि श्रीहरि विष्णु ने नरसिंह अवतार लेकर दैत्यों के राजा हिरण्यकश्यपु का वध किया था उन्होंने बताया कि प्राचीन काल में कश्यप नाम के ऋषि रहते थे उनकी पत्नी का नाम दिति था ऋषि कश्यप के दो पुत्र थे एक नाम हरिण्याक्ष और दूसरे का नाम हरिण्यकशिपु था हरिण्याक्ष से पृथ्वी को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने वाराह का रूप धारण कर उसका बध कर उद्धार किया था जिसके बाद हिरण्यकश्यपु अपने भाई के वध से बहुत क्रुद्ध हुआ और उसने वर्षों तक

कठोर तपस्या की उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने उसे अजेय होने का आशीर्वाद दिया इस तरह हिरण्यकश्यपु अजेय बनकर अपनी प्रजा पर अत्याचार करने लगा अब कोई भी हिरण्यकश्यपु को हरा नहीं सकता था हिरण्यकश्यपु की पत्नी कयाधु से भक्त प्रहलाद का जन्म हुआ उनके अंदर राक्षसों वाले गुण नहीं थे वह बहुत संस्कारी थे और नारायण के भक्त थे प्रहलाद की भगवत भक्ति देखकर हिरण्यकश्यपु ने उनमें बदलाव लाने की कोशिश की लेकिन भक्त प्रहलाद में कोई परिवर्तन नहीं हुआ उसके बाद हिरण्यकश्यपु ने बालक प्रहलाद को मारने के लिए अपनी बहन होलिका की गोदी में बैठाकर अग्नि में प्रवेश का आदेश दिया लेकिन इस घटना में प्रहलाद को कुछ नहीं हुआ और होलिका जलकर भस्म हो गई उसके बाद हिरण्यकश्यपु ने प्रहलाद को मारने के लिए योजना बनानी शुरू कर दी एक दिन हिरण्यकश्यपु ने बालक प्रहलाद से कहा कि तुम्हारे भगवान कहां हैं तो प्रहलाद ने कहा कि वह तो अन्तर्यामी है और सर्वत्र व्याप्त हैं इस पर हिरण्यकश्यपु ने कहा कि वह खम्भे में हैं, तो बालक बोला हां इस पर वह दैत्य राजा ने खंभे पर मारना प्रारम्भ कर दिया तभी भगवान नरसिंह खंभा फाड़ कर बाहर आए और उन्होंने हिरण्यकश्यपु का वध कर उद्धार किया और भक्त प्रहलाद पर कृपा की।

एल.थ्री स्तर के अधिकारी से कराएं निराकरण, नोडल अधिकारी करें सतत समीक्षाः कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक आर्य ने समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए हैं कि सभी विभागीय अधिकारी एल.थ्री स्तर के अधिकारियों से उनके विभाग से संबंधित लंबित शिकायतों का निराकरण कराएं। उन्होंने नोडल अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि वे उन्हें सौंपे गए अलग-अलग विभागों की नियमित रूप से समीक्षा करें और शिकायतों को संतुष्टि पूर्ण रूप से बंद करवाये। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में रोजाना पोर्टल वी सी के माध्यम से भी समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर दीपक आर्य ने कहा कि 50 दिवस वाली शिकायतों पर विशेष अभियान चलाकर उनके संतुष्टि पूर्ण निराकरण दर्ज कराये। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे परिणाम उन्मुख कार्य करें। यदि कोई भी विभागीय अधिकारी एल.थ्री स्तर के अधिकारी से सीएम हेल्पलाइन की निराकरण नहीं करता है तो संबंधित विभागीय अधिकारी एवं संबंधित एल थ्री अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। विभागों के लिए भूमि आवंटन के प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर फरहीन खान, सिटी मजिस्ट्रेट जूही गर्ग, डिप्टी कलेक्टर भव्या त्रिपाठी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी तथा वीसी के माध्यम से सभी एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ आदि शामिल रहे।

राजस्व महा.अभियान के कार्यो में गति लायेः कलेक्टर

कलेक्टर दीपक आर्य ने जिले में क्रियान्वित राजस्व महा.अभियान के निहित बिन्दुओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के कार्य तीव्रता से पूर्ण कराने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को जारी किये है। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियो को ततसंबंध में आदेशित किया है कि अपने-अपने न्यायालय के प्रकरणो का निराकरण कार्यो में प्रगति लाये। इस अवसर पर समस्त एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने राजस्व महा.अभियान के तहत संपादित किये जा रहे कार्यों की पृथक से अनुविभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश समस्त एसडीएम को दिये है। अभियान के माध्यम से समय सीमा में विभिन्न कार्यो का शत प्रतिशत क्रियान्वयन हो। उक्त राजस्व महाअभियान का क्रियान्वयन 29 फरवरी तक किया जाएगा। इस महा अभियान में राजस्व न्यायालयों में लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमाकंन, अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करना, समग्र का आधार से ई.केवाईसी और खसरे की समग्र, आधार से लिंकिंग सहित राजस्व से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जायेगा।

कमिश्नर ने सीएमओ को किया निलंबित

सागर, देशबन्धु। संभाग आयुक्त डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी बिलहरा राजेश खटीक को जन्म मृत्यु पंजीयन की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। सोमवार कलेक्टर सभाकक्ष में ऑनलाईन व्हीसी के माध्यम से जन्म मृत्यु पंजीयन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी, उक्त बैठक के दौरान राजेश खटीक राजस्व निरीक्षक अपने कार्यालय से अनुपस्थित पाये गये। उनके द्वारा उक्त व्हीसी में अपने निवास से ही भाग लिया गया, किन्तु व्हीसी में उनकी वेश भूषा, एक शासकीय सेवक के लिए अपेक्षित वेश भूषा के विपरीत पाई गई। श्री खटीक के उक्त अमर्यादित आचरण के लिए उनके विरूद्ध कार्यवाही हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के अवलोकन एवं परीक्षण उपरांत प्रथम दृष्ट्या श्री खटीक का आचरण मप्र सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम.3 के उपनियम के विपरीत पाया गया है। राजेश खटीक उक्त कृत्य के लिए मप्र नगरपालिका सेवा कार्यपालन नियम 1973 के नियम 36 एवं मप्र सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपीलद्ध नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री खटीक का मुख्यालय, कार्यालय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास सागर संभाग सागर नियत किया गया हैं। निलंबन अवधि में श्री खटीक को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

जमीनी विवाद में व्यक्ति की हत्या

सागर, देशबन्धु। कैंट थाना क्षेत्र में सोमवार को पगारा बायपास रोड पर जमीनी विवाद में व्यक्ति की हत्या कर दी गई। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं पुलिस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के बयान ले रही है। मृतक के बेटे अंशुल पटेल ने बताया कि पगारा बायपास रोड पर स्थित हमारी जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया था। सोमवार को उसी जमीन पर दो फुट किया कब्जा हटा रहे थे। तभी दूसरे पक्ष के लोग आये और गालगीलौज कर मारपीट करने लगे। उन्होंने रॉड, पत्थर और लात घूंसों से पिता के साथ मारपीट की। मारपीट में आई चोटों के कारण पिता कुंदनलाल पटेल उम्र 46 साल निवासी पटेल मार्केट लिंक रोड मोतीनगर वार्ड की मौत हो गई। मृतक के बेटे अंशुल ने कहा कि आदित्य जैन, आशीष, फूलचंद आए थे और उन्होंने मारपीट की थी। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वारदात स्थल से घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्य जुटाये। वहीं सीएसपी यश बिजौरिया ने मौके पर पहुंचकर मृतक के परिवार वालों के बयान लिए हैं। मामले में पुलिस प्रकरण दर्ज कर जांच कर रही है।

जमीन से कब्जा हटाते समय हुआ विवाद, मारपीट में आई चोटों से हुई व्यक्ति की मौत

6 से 12 फरवरी तक विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान नगर के 14 स्थानों पर लगाए शिविर

सागर, देशबन्धु। 6 से 12 फरवरी तक विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण के अंतिम दिन तिली और बाघराज वार्ड में शिविर आयोजित किये गये जिसमे निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला, एमआईसी सदस्यो की उपस्थिति में नागरिकों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। तत्पश्चात आईईसी वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी की वीडियो फिल्म दिखाई गई। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना है कि 2047 तक हमारा देश विकसित राष्ट्र बने लेकिन विकसित राष्ट्र की कल्पना सिर्फसड़क और अधो संरचना के विकास कार्य ही नहीं है बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजना का लाभ देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसी उद्देश्य को लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा द्वितीय चरण के अंतर्गत नगर निगम द्वारा 6 से 12 फरवरी तक प्रतिदिन दो स्थानों पर यानी कुल 14 स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर शासकीय योजनाओं के संबंध में जानकारी ली और योजनाओं से वंचित हितग्राहियों ने आवेदन पत्र जमा किये। शिविरों में आने वाले नागरिकों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण। शिविरों मे प्रधानमंत्री स्व निधि योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना उज्जवला योजना सहित विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

जिला अध्यक्ष ने प्रवास के दौरान दीवाल लेखन कर किया जनसंपर्क

सागर, देशबन्धु। भाजपा द्वारा चलाये जा रहे गांव चलो अभियान के अंतर्गत भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सारोठिया बीना विधानसभा की मंडी बामोरा मंडल में प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में पहुंचे प्रवास कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रातः काल श्री सिरोठिया ने देव उदय गौशाला पहुंचकर गौ शाला का अवलोकन किया व सेवा की तत्पश्चात अनुसूचित जाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष रूप सिंह चौधरी के निवास पर अल्पाहार किया एवं कार्यकर्ताओं के साथ आगमी कार्यक्रमों की रूप रेखा तय की हजरिया महादेव मंदिर में पूजन अर्चना की। तत्पश्चात श्री सिरोठिया ने दीवाल लेखन कर ग्राम संपर्क के अंतर्गत सघन जनसंपर्क किया व केंद्र सरकार की उपलब्धियों से उल्लेखित पत्रक भेंट किये। जनसंपर्क के दौरान ग्राम वासियों ने जगह-जगह श्री सिरोठिया का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गौरव सिरोठिया ने कहा की गांव चलो अभियान लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा की प्रचंड जीत के लिए सार्थक साबित होगा सागर जिले में गांव चलो अभियान प्रभावी रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत हमारे सभी जनप्रतिनिधि पदाधिकारी, कार्यकर्ता गांव गांव बूथ-बूथ में 24 घंटे का प्रवास किया जिसके सार्थक परिणाम हमें प्राप्त हो रहें हैं। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने दी।

जिला बदर आरोपी को थाना क्षेत्र में घूमते पाए जाने पर किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा जिला बदर आरोपियों के जिले की सीमा में दिखने पर आरोपियों को गिरफ्तार कर उचित वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा के निर्देशन में एवं नगर पुलिस अधीक्षक यश बिजौरिया के मार्गदर्शन में थाना गोपालगंज क्षेत्रांतर्गत आदतन अपराधियों की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये वर्तमान में जिला बदर आरोपी रघुवीर पिता नारायण रैकवार उम्र 33 साल निवासी रिलायंस टावर के पास तिरूपतिपुरम कालोनी थाना गोपालगंज जिला सागर थाना क्षेत्र में घूमते हुये पाया गया आरोपी के द्वारा जिला दण्डाधिकारी के जिला बदर आदेश का उल्लंघन करते पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर अप. क्र. 80/24 धारा 188 ता.हि., धारा 14 मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 का पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपी आदतन अपराधी है जिनके विरूद्ध थाना गोपालगंज में विभिन्न धाराओं में अनेक मामले दर्ज हैं। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक अजय सारवान थाना प्रभारी गोपालगंज, रमेश बंसल, अंसार खान, संजय मिश्रा, सौरभ रैकवार, अनुराग, सचित गुप्त, हीरेन्द्र सिंह, थिरबम, पुष्पेन्द्र सिंह, चेतना ठाकुर का योगदान रहा।

विधायक ने मुख्यमंत्री को भेजे अनुशंसा पत्र में बिजली पेंशनरों की लंबित मांग का समर्थन

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने वरिष्ठ नागरिक सेवानिवृत्त बिजली पेंशनरों के हित में पुनः अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। उल्लेखनीय है कि सागर सहित प्रदेश के बिजली पेंशनर्स लंबे समय से उत्तर प्रदेश की तर्ज पर ट्रेजरी के माध्यम से पेंशन भुगतान कराये जाने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए बिजली पेंशनरों के एसोसिएशन की ओर से नगर विधायक को ज्ञापन सौंपा गया था। विधायक जैन की ओर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन पर भेजे गए पत्र में लेख किया गया है कि बिजली पेंशनरों के लिए बनाये गए टर्मिनल बेनिफिट ट्रस्ट में फंड की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो सकी है, जिस की वजह से विगत में पेंशन भुगतान में व्यवधान आया था। बिजली पेंशनर्स अपने अनिश्चित पेंशन भविष्य को लेकर काफी चिंतित हैं। विधायक जैन ने विषय पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में मांग को पूरा कराये जाने का आग्रह किया है । बिजली पेंशनर्स एसोसिएशन, सागर के अध्यक्ष इंजी. एके पांडेय, केसी जैन और सचिव केएल कटारिया ने मांग के समर्थन के लिए विधायक शैलेन्द्र जैन की पहल पर एसोसिएशन की ओर से आभार व्यक्त कर कृतज्ञता ज्ञापित की है।

गांव चलो अभियान अंतर्गत ग्रामीणों से चर्चा की

सागर, देशबन्धु। गांव चलो अभियान के अंतर्गत आत्म निर्भर अभियान मप्र के संयोजक डॉ. अनिल तिवारी ने गोपालगंज पोलिंग बूथ क्र. 236 नाकरे गली गोपालगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं और आत्मनिर्भर टीम के साथ गांव-गांव जाकर ग्रामीणों में गोबर गैस के उपयोग और गर्मी के दिनों में शरीर का वाटर लेवल बनाए रखने के लिए तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए जागरूकता अभियान चलाने के लिए कार्य योजना की चर्चा की गई। डॉ. अनिल तिवारी द्वारा दीवाल पर पार्टी का कमल पुष्प चिन्ह एवं लेखन किया। इस अवसर पर आशीष उपाध्याय, अतुल तिवारी, मृदुल पन्या, मनीष सिंह, अनिल सेन सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कक्षा 12 वीं के प्रश्नपत्र में 372 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

सागर, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा हायर सेकेण्डरी परीक्षा के 4 विषयों परीक्षा पर सम्पन्न हुई। जिसमें भौतिक शास्त्र में कुल 9866 में से 9760 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 106 परीक्षार्थी अनुपस्थित, अर्थशास्त्र विषय में कुल 13755 में से 13513 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 242 परीक्षार्थी अनुपस्थित, भारतीय कला का इतिहास विषय में कुल 107 में से 105 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 2 अनुपस्थित एवं एनिमल हस्बेण्ड्री मिल्कट्रेड पोल्ट्रफार्मिंग एडं फिसरीज विषय में कुल 625 में से 603 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 22 अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने गढाकोटा एवं रहली के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। शास. बहु.उ.मा. उत्कृष्ट विद्यालय सागर, शास.उ.मा.वि. पुरानी सदर, शास.उ.मा.वि. बरारू, शास. हाईस्कूल गोपालगंज, शास. कन्या हाईस्कूल मकरोनिया एवं शास.उ.मा.वि मुहली में बने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। विकासखंड जैसीनगर में बोर्ड परीक्षा के लिए बनाये गये कन्ट्रोल रूम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संयुक्त संचालक लोक शिक्षण द्वारा 10 नकल प्रकरण एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक 201064 पर 2 आपराधिक प्रकरण दर्ज किये गये।

राष्ट्रीय युवा उत्सव में सहभागिता करेंगे संगीत विभाग के युवा संगीतज्ञ

सागर, देशबन्धु। राष्ट्रीय युवा उत्सव पंजाब एग्रीकल्चर लुधियाना में प्रतिभागिता करने के लिए मध्य क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय युवा उत्सव में चयनित डॉ. हरीसिंह गौर विवि के विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। विवि को विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी मेरठ में 30 जनवरी से 03 फरवरी तक आयोजित युवा उत्सव में 09 पुरस्कार प्राप्त हुये, जिसमें प्रमुखता से संगीत विभाग एवं ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विधाओं में पदक प्राप्त किए। जिसके अंतर्गत फोक ऑर्केस्ट्रा में प्रथम, सुगम गायन में द्वितीय स्थान स्तुति खंपरिया ने प्राप्त हुआ। एकल वाद्य वादन नॉन परक्यूशन बांसुरी में पंकज खरारे तृतीय स्थान पर रहे।

शास्त्रीय गायन में चतुर्थ स्थान रहा। डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के मार्गदर्शन से शोध छात्र यश गोपाल श्रीवास्तव एवं गगन राज ने संगीत की विभिन्न विद्याओं का समन्वय किया। दल प्रभारी सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधि प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. तोमर ने बताया कि सांगीतिक विधाओं में विवि को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी के साथ उन्होंने बताया की विजयी दल के सभी प्रतिभागी राष्ट्रीय युवा उत्सव पंजाब एग्रीकल्चर लुधियाना मे सहभागिता करेंगे।

करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

सागर, देशबन्धु। सिविल लाइन क्षेत्र में कुये की सफाई करते समय मजदूर करंट की चपेट में आ गया। जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शव का पीएम कराकर पुलिस ने परिवार वालों को सौंप दिया है। वहीं मर्ग कायम कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार फरियादी मलखान आदिवासी निवासी पिपरिया वैद्य ने थाने में शिकायत में बताया कि मेरा छोटा भाई सचिन आदिवासी उम्र 23 साल और गांव के श्री लोधी, राहुल लोधी, नीतेश अहिरवार के साथ सिविल लाइन सिंधी धर्मशाला के पीछे स्थित पुराने कुये की सफाई का काम कर रहे थे। मशीन से कुआं में पड़ा कचरा बाहर निकलकर कर फेंक रहे थे। कुआं का पानी निकालने के लिए बिजली मोटर लगी हुई थी। सफाई के दौरान मैं छोटा भाई सचिन और नीलेश अहिरवार कुआं से कचरा पालकी में भरने का काम कर रहे थे। मशीन श्रीलोधी चला रहा था। इसी दौरान भाई सचिन ने कुआं का कचरा भरने के लिए पालकी पकड़ी तो पालकी में करंट आ गया। करंट लगने से भाई सचिन गिर पड़ा। उसे तत्काल उठाकर अस्पताल इलाज के लिए लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने चेकअप करने के बाद सचिन को मृत घोषित कर दिया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

गुपचुप निरीक्षण कर चले गए दुग्ध महासंघ के एमडी

सागर, देशबन्धु। नगर में यत्र तत्र सांची के दुग्ध पार्लर के नाम से बगैर निर्धारित प्रक्रिया विज्ञापित किये बिना ही मनमानी तरीके से दुकान खोली जा रही है और वास्तविक लोग प्रतिभागी बनने से वंचित रह रहे हैं बताया जाता है कि एमपीसीडीएफ के एमडी गत 18 जनवरी को बगैर किसी प्रचार प्रसार के सागर दौरे पर आये किसी बैठक में भाग लिया और तथा कथित का निरीक्षण कर भोपाल रवाना हो गए वह जनप्रतिनिधियों से भी नहीं मिले और अपने दुग्ध उत्पादकों, उपभोक्ताओं और उनके प्रतिनिधियों से भी उन्होंने भेंट नहीं की, मार्ग के कुछ दुग्ध पार्लरों को अवार्ड से भी नवाजने की घोषणा भी कर गये, इनमें शहर का नाम करने के लिए एक सिटी पार्लर का भी उल्लेख है एक संचालक ने अपना नाम गुप्त रखना की शर्त पर बताया कि उसके पार्लर का कोई निरीक्षण नहीं किया गया अलबत्ता निरीक्षण की पूर्व सूचना उसे दे दी गई थी।

एकात्म मानववाद और अंत्योदय भारतीय मानवीय मूल्यों का साक्षात्कार करने वाला दर्शन हैः सुनील देव

सागर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विवि द्वारा जारी मैरिट लिस्ट में पं. दीनदयाल उपाध्याय शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय सागर के 10 विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया है। पं. दीनदयाल की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने इन प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. संजीव दबे ने स्वागत भाषण देते हुए विद्यार्थियों की सफलता पर महाविद्यालय को गौरवांवित करने के लिए उन्हे शुभकामनायें दी। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. अमर कुमार जैन द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता सुनील देव क्षेत्र सामाजिक समरसता प्रमुख ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय भारतीय मानवीय मूल्यों का साक्षात्कार करने वाला दर्शन है। जहां एकात्म मानववाद केन्द्र में व्यक्ति, व्यक्ति से जुड़ा हुआ परिवार, परिवार से जुड़ा हुआ समाज, जाति फिर राष्ट्र, विश्व और अंत में ब्रह्माण्ड को अपने में समाविष्ट करने की व्याख्या करता है वही अंत्योदय समाज के सबसे पिछड़े व्यक्ति के विकास की पहल को बताने वाला दर्शन है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीसी शर्मा सीईओ जिला पंचायत ने विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए कहा कि सफलता संघर्षों की कहानी है और इसे वही महसूस कर सकता है जिसने संघर्ष किया है संघर्षों के आइने में आपको अपना प्रतिबिम्ब दिखाई देने लगे तब समझना कि सफलता नजदीक हैं। नितिन शर्मा जनभागीदारी अध्यक्ष के प्रयासों से स्व. डॉ. दिलीप सिंह ठाकुर तथा स्व. डॉ. विजय कुमार त्रिपाठी स्मृति गोल्ड मैडिल सम्मान अर्थशास्त्र एवं इतिहास में मंजू त्रिपाठी एवं अनुपमा राजपूत द्वारा दिया गया। विवि द्वारा घोषित प्रावधिक सूची अनुसार विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। एनसीसी 10वी एवं 7 एमपी बटालियन के विद्यार्थियों का सम्मान लेफ्टिनेंट डॉ. जयनारायण यादव तथा केयर टेकर कीर्ति रैकवार के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जय सोनी एवं डॉ. उमाकांत स्वर्णकार उपस्थित थे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादकः **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादकः **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन-** MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।